मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 24 मार्च 2025

संवत 2081, चैत्र कृष्णपक्ष 10 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 198 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ भारत में जनसंख्या फिर बना जीवित मुद्दा

सलमान ने रश्मिका से उम्र की तुलना पर कसा तंज बोले-'हम तो उनकी बेटी के साथ भी काम करेंगे' ◀◀ 6

पत्नी की हत्या के बाद पति ने की आत्महत्या

घरेलू विवाद में पति ने टांगी से काटकर पत्नी को मार डाला

मेट्रो रेज

गुमला : जिला अंतर्गत स्थित पालकोट थाना क्षेत्र के बिलिंगबीरा पंचायत स्थित सनईडीह निवासी रंगपाल सिंह ने जंगल में अपनी पत्नी चंद्रिका देवी की टांगी से काटकर निर्मम हत्या कर दी । पत्नी की हत्या करने के बाद रंगपाल सिंह ने स्वयं भी महुआ पेड़ में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बताया जाता हैं की नशेड़ी रंगपाल सिंह ने नशे की हालात में अपनी पत्नी चंद्रिका देवी से किसी घरेलू बात को लेकर उलझ गया था और जब उक्त दोनों पति-पत्नी महुआ चुनने जंगल गयें तो वहां भी दोनों के बीच घरेलू बात को लेकर काफी तू-तू-मैं-मैं हो गया। और गुस्से में आकर उसने टांगी से कई वार कर अपनी पत्नी चंद्रिका देवी को मौत के घाट उतार दिया और स्वयं भी एक पेड़ में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। दूसरे दिन उसके पुत्र रूपधारी सिंह को उक्त घटना की जानकारी हुई और वह अपने गांव आकर अपने माता-पिता की खोज शुरू की, लेकिन रात होने के कारण वह अपने माता-पिता को नहीं खोज सका। दूसरे दिन वह अपने माता-पिता को खोजता हुआ जंगल पहुंचा तो देखा कि उसके पिता रंगपाल सिंह एक महुआ पेड़ में रस्सी के सहारे फांसी के फंदे से झूल रहे हैं और कुछ दूरी पर उसकी मां चंद्रिका देवी का शव जमीन पर खून से लथपथ पड़ा हुआ था। पास ही में खून से सना कुल्हाड़ी पड़ा हुआ था। बाद में उक्त घटना की जानकारी पालकोट थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पालकोट थाना प्रभारी राहुल कुमार जसोदी ने अपने दलबल के साथ उक्त घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के पुत्र रुपधारी सिंह और उक्त घटनास्थल पर उपस्थित ग्रामीणों ने पूछताछ और छानबीन शुरू करते हुए उक्त दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गुमला सदर अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस भेजवाया गया जहां पोस्टमार्टम के बाद उक्त दोनों शवों को मृतक के पुत्र रूपधारी सिंह एवं उसके परिजनों को सौंप दिया गया। पालकोट थाना प्रभारी ने बताया कि उक्त घटना के सभी पहलुओं पर गहराई से पूछताछ और छानबीन शुरू कर दिया गया है।

बीजापुर मुठभेड़ के बाद 22 बड़े नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली: छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने के लिए सरकार और सुरक्षाबलों की कोशिश लगातार जारी है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो रही है और उनका खात्मा किया जा रहा है। वहीं, अब नक्सली बड़ी आत्मसमर्पण यानी सरेंडर भी कर रहे हैं।

कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण पर दोनों सदनों में हंगामा, नड्डा बोले-

कांग्रेस ने संविधान की धज्जियां उड़ाई, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली: संसद का बजट सत्र आज से जारी रहेगा। दो दिन के अवकाश के बाद आज लोकसभा और राज्यसभा में कर्नाटक के मुस्लिम आरक्षण पर संसद में भारी हंगामा हुआ। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होते ही ट्रेजरी बेंच के सदस्यों ने कर्नाटक के मुस्लिम आरक्षण को लेकर विपक्ष पर हल्ला बोल दिया। हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही 12 और राज्यसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो संविधान की रक्षक बनती है। बाबा साहब ने स्पष्ट कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता। लेकिन कांग्रेस की सरकार ने साउथ में मुस्लिम धर्म के लिए कॉन्ट्रैक्ट में चार फीसदी आरक्षण का प्रावधान किया है। जेपी नड्डा ने इसे ऑथेंटिकेट किया और कहा कि कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने वहां के सदन में कहा है कि जरूरत पड़ी तो हम संविधान को बदलेंगे और ये लोग संविधान के बड़े रक्षक बनते हैं। वहां संविधान की धज्जियां उड़ाने का काम किया गया है। विपक्ष के नेता को इसका जवाब देना चाहिए।

विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसका जवाब देते हुए कहा कि बाबा साहब ने देश का संविधान बनाया। उसे कोई बदल नहीं सकता। इसकी रक्षा के लिए हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली है। किसने कह दिया कि हम संविधान बदलने जा रहे हैं। इस पर किरेन रिजिजू ने कहा कि मुस्लिम लीग की पॉलिसी को जिसे बाबा साहब ने रिजेक्ट कर दिया था, उसे लागू कर कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब की इज्जत को मिट्टी में मिलाने का काम किया है। किरेन रिजिजू ने कर्नाटक के डिप्टी सीएम का सदन में दिया वक्तव्य भी सुनाया और कांग्रेस अध्यक्ष को कार्रवाई करने की चुनौती दी।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत

लोहरदगा: जिले में सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत गई। घटना जिले के सदर थाना क्षेत्र के कैमो महुआ टोली के पास हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे यह हादसा हुआ। शवों का पोस्टमार्टम आज किया जाएगा। मृतकों की पहचान लोहरदगा जिले के सदर थाना क्षेत्र के हेंदलासो भदुआपाड़ा निवासी सुखदेव उरांव के पुत्र 26 वर्षीय प्रदीप उरांव, गुमला जिले के बरांव निवासी 25 वर्षीय संजय उरांव और गुमला निवासी संजय उरांव के रूप में हुई है।

नागपुर हिंसा के मास्टरमाइंड फहीम खान के घर चला बुलडोजर, प्रशासन ने लिया एक्शन

नागपुर : नागपुर में बीते सप्ताह दंगे भड़क गए थे। इसमें एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल हुए और करीब इतने ही नागरिक जख्मी हो गए थे। इस घटना में बड़ी संख्या में गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया था, जबकि दुकानों में भी आग लगाई गई और तोड़फोड़ की गई थी। पुलिस का कहना है कि इस हिंसा का मास्टरमाइंड फहीम खान नाम का शख्स था, जिसके घर पर आज बुलडोजर चला है। नागपुर महानगरपालिका की टीम आज सुबह ही बुलडोजर लेकर फहीम खान के घर पर पहुंच गई। इस दौरान बड़े पैमाने पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। बता दें फहीम खान पेशे से बुर्का विक्रेता है। माना जा रहा है कि उसने कुछ वीडियो जारी किए थे और उत्तेजक बयान दिए थे, जिससे लोग भड़के और उन्होंने नागपुर शहर में उपद्रव काट दिया। फहीम खान को पुलिस ने बीते मंगलवार को ही अरेस्ट कर लिया था और उसे अदालत में पेश किया गया था।

नागपुर हिंसा को लेकर फहीम खान समेत कुल 6 लोगों के खिलाफ पुलिस ने देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया था। फहीम खान माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी नाम के दल का शहर प्रमुख रहा है। वह कई बार पुलिस को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी करता रहा है। वह हिंदू पुलिस जैसी टिप्पणी करता रहा है। प्रशासन ने फहीम खान के घर के उस हिस्से को ढहाया है, जो अतिक्रमण करके बना था और अवैध पाया गया। इसके अलावा अन्य हिस्से के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। नागपुर के महल इलाके में यह हिंसा हुई थी, जहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी स्थित है। आरएसएस का दफ्तर हिंसा वाले इलाके से थोड़ी ही दूर पर स्थित है।

वह 2024 के लोकसभा चुनाव में अल्पसंख्यक डेमोक्रेटिक पार्टी के टिकट पर नागपुर सीट से चुनाव लड़ा था, जिसमें उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। चुनावी मैदान में उतरने के बाद से ही वह राजनीतिक रूप से सक्रिय हो गया था और शहर में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस की जांच में सामने आया है कि नागपुर हिंसा की साजिश पहले से ही रची गई थी। फहीम खान ने कुछ कट्टरपंथी लोगों को इकट्ठा कर एक सुनियोजित तरीके से दंगा भड़काने का काम किया। बता दें कि औरंगजेब की कब्र को लेकर हुए विवाद ने सोमवार को हिंसक रूप ले लिया था। महाराष्ट्र के नागपुर के महाल में सोमवार रात दो गुटों के बीच विवाद के बाद हिंसा भड़क गई थी।

गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

सिमडेगा: ओडिशा से गांजा लेकर सिमडेगा के रास्ते बांग्लादेश जा रहे एक तस्कर को सिमडेगा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से साढ़े दस किलो अवैध गांजा बरामद किया है। इसकी पुष्टि एसडीपीओ बैजू उरांव ने की है।

बस से की जा रही थी गांजा की तस्करी: एसडीपीओ ने बताया कि सिमडेगा के ठेठईटांगर पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक यात्री बस से अवैध रूप से गांजा की तस्करी की जा रही है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस फौरन एक्टिव हो गई। ठेठईटांगर पुलिस ने बोलबा मोड़ के पास से रविवार की देर रात एक बस को रोक कर पूछताछ की।

साढ़े दस किलो गांजा बरामदः पुलिस को पूछताछ में पता चला कि मिस्त्री का काम करने वाले लोग बस रिजर्व कर ईद मनाने मुर्शिदाबाद जा रहे हैं। पुलिस ने जब बस की तलाशी ली तब मुर्शीदबाद निवासी करीम शेख नामक व्यक्ति के पास से साढ़े दस किलो गांजा मिला। इसके बाद पुलिस ने फौरन तस्कर को गिरफ्तार कर लिया और अवैध गांजा को जब्त कर लिया। विदित हो कि पूर्व में भी सिमडेगा में भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ था और नशे के सौदागरों की गिरफ्तारी हुई थी। गांजा तस्कर अक्सर इस रूट को कॉरिडोर की तरह इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बीते कुछ समय से पुलिस की कार्रवाई और धर-पकड़ से तस्करी में कमी आई है। एसपी सौरभ के निर्देश पर पुलिस आए दिन विभिन्न जगहों पर चेकिंग अभियान चलाती है। जिससे गांजा तस्करों का बच निकालना काफी मुश्किल होता है। जिसका परिणाम है कि आये दिन तस्करों की गिरफ्तारी हो रही है।

राहुल गांधी की नागरिकता पर उठे सवाल इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई आज

प्रयागराजः उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज यानी सोमवार (24 मार्च) को नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की नागरिकता से जुड़े मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई होने जा रही है। इस मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार को 19 दिसंबर को निर्देश दिया था कि वह अब तक की गई कार्रवाई का ब्योरा 24 मार्च तक पेश करे। आज (24 मार्च) केंद्र सरकार इस मामले पर अपना जवाब दाखिल करेगी।

क्या है याचिका का मामला? : मिली जानकारी के मुताबिक, याचिका में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी के पास दोहरी नागरिकता है। इस पर कोर्ट ने केंद्र सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा है। यह मामला कर्नाटक के सामाजिक कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर द्वारा दायर किया गया है। याचिकाकर्ता ने राहुल गांधी की कथित ब्रिटिश नागरिकता की उइक जांच की भी मांग की है। उनका कहना है कि राहुल गांधी भारत के बजाय ब्रिटेन के नागरिक हैं, इसलिए वह संविधान के अनुच्छेद 84 (ए) के तहत चुनाव लड़ने के अयोग्य हैं।

जानिए, क्या था पिछला घटनाक्रम? : बताया जा रहा है कि 2023 में जुलाई में, हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के सांसद के रूप में चुनाव को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को याचिकाकर्ता द्वारा वापस लेने के बाद खारिज कर दिया था। इसके अलावा, बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने भी इसी मुद्दे पर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि वह इलाहाबाद हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं पर स्पष्टता मिलने के बाद ही इस मामले की सुनवाई करेगी।

याचिका का आधारः 1 जुलाई 2024 को कर्नाटक के वकील एस विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें राहुल गांधी पर ब्रिटिश नागरिकता का आरोप लगाया गया। याचिकाकर्ता ने ब्रिटिश सरकार के 2022 के गोपनीय मेल का भी हवाला दिया। उन्होंने भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 9 (2) के तहत राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने की मांग की है। उनका तर्क है कि केवल भारतीय नागरिक ही लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं।

क्या होगा यदि दोहरी नागरिकता साबित होती है? : यदि राहुल गांधी दोहरी नागरिकता के मामले में दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 9(2) के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद उनके खिलाफ नागरिकता छिपाने और गलत जानकारी देने का मामला दर्ज किया जाएगा। नागरिकता अधिनियम 1955 के तहत कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन करने पर व्यक्ति को 5 साल की सजा हो सकती है, या 50,000 रुपये का जुमार्ना या दोनों लगाया जा सकता है। इसके अलावा, उनकी भारतीय नागरिकता भी रद्द की जा सकती है। इस मामले की सुनवाई से जुड़े सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर आज उच्च न्यायालय में चर्चा होगी।

बुलेट ट्रेन ट्रैक पर काम के दौरान बड़ा हादसा

भारी भरकम गांत्री फिसलकर गिरा, दो दर्जन से ज्यादा ट्रेनें रद्द

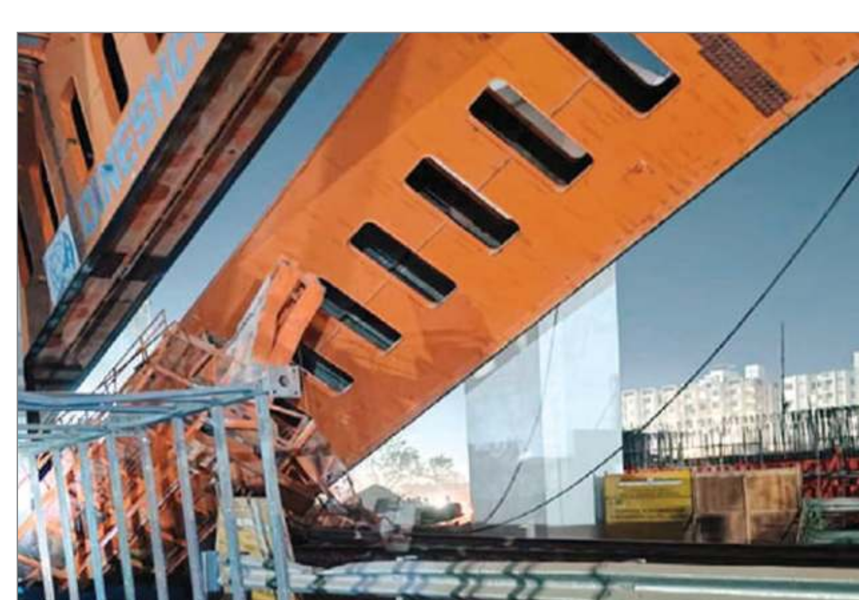

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के अंतर्गत वटावा के पास निर्माण कार्य के दौरान एक बड़ा हादसा सामने आया है। यहां एक भारी-भरकम सेगमेंटल लॉन्चिंग गैंट्री (गांत्री) को हटाते समय वह फिसलकर रेलवे ट्रैक पर गिर गई। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। हालांकि, इस घटना के कारण इस रूट पर चलने वाली रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कम से कम 25 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, जबकि दो दर्जन से अधिक ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा रविवार रात लगभग 11 बजे हुआ।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंक्रीट गार्डर बनाने के बाद इस गैंट्री को पीछे की ओर ले जाया जा रहा था। आमतौर पर गैंट्री का इस्तेमाल पुलों के निर्माण में किया जाता है। इस हादसे के चलते रेलवे की पटरियों को नुकसान पहुंचा है, हालांकि वायाडक्ट को कोई क्षति नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलते ही तुरंत दुर्घटना राहत ट्रेन और नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

मिली जानकारी के अनुसार, इस हादसे से गेरातपुर-वाटवा सेक्शन की ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। पश्चिम रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि गैंट्री गिरने के कारण डाउन लाइन की ट्रेनों का संचालन बाधित हुआ है। ट्रैक की मरम्मत का कार्य तेजी से किया जा रहा है। रात 12 बजे के बाद ही सिंगल लाइन को चालू करने का काम शुरू कर दिया गया था। इस दुर्घटना के बाद 12833 अहमदाबाद-हावड़ा और 19483 अहमदाबाद-बरौनी ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। वहीं, 12931 मुंबई-अहमदाबाद डबल डेकर ट्रेन, 19033 गुजरात क्वीन और 22953 गुजरात एक्सप्रेस जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

ब्रेन मलेरिया से 5 पहाड़िया बच्चों की मौत, शिविर लगाकर जांच में जुटे डॉक्टर

साहिबगंज : जिले में ब्रेन मलेरिया का कहर देखने को मिल रहा है। यहां ब्रेन मलेरिया से 5 मासूम बच्चों की मौत हो गई जबकि दर्जन बच्चे ब्रेन मलेरिया से ग्रसित हैं।

मामला जिले के मंडरो प्रखंड के नगर भीठा गांव का है। यहां ब्रेन मलेरिया तेजी से फैल रहा है। बताया जा रहा है कि ब्रेन मलेरिया से 5 पहाड़िया बच्चों की मौत हो गई जबकि दर्जन बच्चे ब्रेन मलेरिया से ग्रसित हैं। यहां दर्जन भर बच्चे और युवा ब्रेन मलेरिया बीमारी से पीड़ित हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में लगातार कैंप कर रही है। स्वास्थ्य टीम ने बीमार बच्चों का ब्लड सैंपल लिया है। ब्लड सैंपल को दुमका भेजा गया। फिलहाल बीमार बच्चों को दवा दी जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार सभी बच्चों के सिर में दर्द था। उल्टी-दस्त के बाद वह बेहोश हो गए और उनकी मौत हो गई।

ग्रामीणों के अनुसार गत 12 मार्च को सबसे पहले चांदू पहाड़िया के दो वर्षीय पुत्र जीता पहाड़िया की मौत हुई थी। लोगों ने इसे सामान्य मौत माना और उसका अंतिम संस्कार कर दिया। पुनः 19 मार्च को असना पहाड़िया के पांच वर्षीय पुत्र विकास पहाड़िया चल बसा। इसके दो दिन बाद 22 मार्च को दो व 23 मार्च को एक और बच्चे की मौत हो गई। मृतकों में गुल्ली पहाड़िया के चार वर्षीय पुत्र बेफरे पहाड़िया, बिजु पहाड़िया के दो वर्षीय पुत्र एतवारी पहाड़िया व सोमरा पहाड़िया की तीन वर्षीय पुत्री सजनी पहाड़िन शामिल हैं।

भगत सिंह के शहादत दिवस पर रक्त दान

मुरी: सिल्ली अस्पताल में भगतसिंह के शाहदत दिवस पर रक्त दान का आयोजन किया गया। संचालन दीपक और गौतम ने किया। आयोजन सिल्ली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और सिंगपुर नर्सिंग होम के तत्वावधान में हुआ। डाक्टर प्रियंका कुमारी और डाक्टर रमणेश प्रसाद की उपस्थिति में सिल्ली थाना प्रभारी दिनेश ठाकुर के नेतृत्व में पुरे स्टाफ ने रक्तदान किया। 50 लोगों ने रक्तदानकर भगतसिंह को सच्ची श्रद्धांजलि दी। डोला,देबु,शशिशंकर, अमित, पार्थ ने रक्तदान में हिस्सा लिया।

चिकित्सक व कर्मियों के समन्वय से ही मरीजों को मिलेगी बेहतर स्वास्थ्य सेवा

बोकारो: सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ अरविंद कुमार ने अपने कक्ष में कार्यालय कर्मियों के साथ बैठक की। कहा कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। चिकित्सक व स्वास्थ्यकर्मियों के आपसी समन्वय से ही बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध संभव है। किसी भी तरह की परेशानी मरीजों को नहीं हो इसका ध्यान रखें। किसी तरह की परेशानी की जानकारी मिले, तो तुरंत डीएस व प्रभारी अस्पताल प्रबंधक को सूचित करें। समस्या को तुरंत निबटाये।

सिविल सर्जन ने किया निरीक्षण इससे पूर्व सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इमरजेंसी कक्ष, ऑपरेशन थियेटर, लेबर रूम, ब्लड बैंक, आइसीयू, एसएनसीयू, बुजुर्ग वार्ड, एनसीडी कक्ष के साथ वार्ड में इलाजरत महिला व पुरुष मरीजों की स्वास्थ्य सुविधाओं को देखा। साथ ही मरीजों से मिलकर उन्हें अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। वार्ड में तैनात नर्स टीम को ड्यूटी के वक्त हर समय अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया। इस दौरान उपाधीक्षक डॉ कुमार व इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ नजमा भी साथ थी। सीएस ने दवा की समाप्ति के पूर्व ही उपाधीक्षक को सूचित कर पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध रखने को कहा।

भारतीय जनता पार्टी एक सशक्त संगठन है : शैलेंद्र कुमार सिंह

दुमका : भाजपा के संगठन पर्व के तहत मंडल अध्यक्ष चुनाव को लेकर दुमका विधानसभा में रायशुमारी बैठक भाजपा जिला कार्यालय में रविवार को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने की, जबकि जिला चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दुमका के पूर्व सांसद सुनील सोरेन,प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा, जिला चुनाव सह अधिकारी सुरेश मुर्मू और बबलू मंडल विशेष रूप से मौजूद रहे। रायशुमारी प्रक्रिया के दौरान सभी मंडलों के संभावित अध्यक्ष पद के दावेदारों के नामों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के उपरांत दावेदारों की सूची तैयार कर प्रदेश नेतृत्व को भेज दी गई, जिससे संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाया जा सके।

भाजपा जिला चुनाव अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कहा,
₹भारतीय जनता पार्टी एक सशक्त संगठन है, जहां हर कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का समान अवसर मिलता है। मंडल अध्यक्षों के चयन की यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक है, जिससे पार्टी का आधार और मजबूत होगा तथा संगठन को ऊजार्वान नेतृत्व मिलेगा।₹

भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने कहा,
भाजपा का संगठन पर्व केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि कार्यकताओं को नेतृत्व में आगे लाने का अवसर है। मंडल अध्यक्षों के चुनाव में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि योग्य एवं समर्पित कार्यकताओं को जिम्मेदारी मिले। यह प्रक्रिया न केवल संगठन की जड़ों को मजबूत करेगी, बल्कि आगामी चुनावों में भाजपा को और अधिक सशक्त बनाएगी।₹

जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू ने बताया बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अमरेंद्र सिंह मुन्ना,गौरीशंकर यादव, डॉ० शर्मिला सोरेन, डॉ० अंजुला मुर्मू,निवास मंडल,अनुज आर्या,जिला महामंत्री पवन केसरी,जिला उपाध्यक्ष मार्शल ऋषिराज टुडू,धर्मेंद्र सिंह बिट्टू,पिंटू साह,विवेकानंद राय,जिला मंत्री गुंजन मरांडी,सोनी हेंब्रम,मोर्चा अध्यक्ष श्रीधर दास,ममता साह,मृणाल मिश्रा,दिनेश सिंह,पंकज वर्मा,मणिलाल गृही,गणपति पाल,सहदेव मरांडी,अरविंद दुबे,दीपाली मंडल,अजय गुप्ता,ओम केसरी,सुजीत यदुवंशी,बिमल मरांडी,मनीष कुमार,कुश कुमार,इंद्रजीत कुमार सहित मंडल एवं जिला स्तर के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं चुनाव समिति के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए एकमत से भाजपा के विस्तार व सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई।

उलिहातू को पर्यटन स्थल बनाने का विरोध वंशजों ने जमीन देने से किया इनकार

मंत्री सुदिव्य कुमार ने जिले के पर्यटन स्थल का किया था दौरा

मेट्रो रेज संवाददाता

खूंटी: भगवान बिरसा मुंडा की जन्म और कर्मस्थली उलिहातू, डोम्बारी बुरु व उनके ननिहाल चलकद को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने को लेकर पर्यटन मंत्री ने स्थलों का निरीक्षण किया। लेकिन भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों ने इसका विरोध किया, जबकि ग्राम सभा ने स्वागत करते हुए कहा कि पर्यटन स्थल बनने से बेरोजगारी दूर होगी।

ट्राइबल टूरिज्म सर्किट को लेकर उलिहातू के लोगों ने मिश्रित प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भगवान बिरसा के वंशज भी टूरिज्म सर्किट के लिए ग्राम सभा की सहमति को जरूरी मानते हैं। उनका कहना है कि उलिहातू ग्राम सभा की बैठक के बाद ही टूरिज्म सर्किट बनाने के प्रस्ताव को आगे बढ़ाया जा सकेगा।उन्होंने यह भी कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के वंशजों के लिए आवास बनाने को लेकर कोई जमीन संबंधी विवाद नहीं है। वहीं दूसरी तरफ उलिहातु के ग्रामीणों का मानना है कि ऐतिहासिक स्थल को टूरिज्म सर्किट के रूप में विकसित करने से स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यहां के लोग धान की कटाई के बाद रोजगार की तलाश में महानगरों की ओर पलायन करते हैं। टूरिज्म सर्किट से सभी पर्यटन स्थलों का विकास होगा और लोगों को छोटी बड़ी दुकान खोलने के अवसर भी मिलेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा के वंशज सुखराम मुंडा के बेटे कानू मुंडा ने कहा कि पर्यटन स्थल बनना गर्व की बात है। लेकिन पर्यटन स्थल बनाने से पहले ग्राम सभा से अनुमति ले और बैठक कर स्थल चिन्हित करें। ऐसा नहीं कि हमारे पूर्वज भगवान बिरसा मुंडा का केवल यह जन्मस्थल है, बल्कि हमारा धरोहर होने के साथ-साथ खातियानी जमीन भी है।

पर्यटन स्थल उस जगह पर ही क्यों बनाया जाए: कानू मुंडा ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जिस संघर्ष के साथ लड़ाई लड़ी उसी जमीन पर ही क्यों पर्यटन स्थल बने। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों की जमीन पर पर्यटन स्थल न बने बल्कि उलिहातू में स्थल चयन कर दूसरी जगह पर बनाया जाए। वंशजों का दावा है कि यहां पर पर्यटन स्थल बनने से वंशजों का अस्तित्व और उनकी पहचान खत्म हो जाएगी।

वंशज सुखराम मुंडा ने कहा कि बिरसा मुंडा की जन्मस्थली और उनके प्रांगण है। उस स्थल को पर्यटन स्थल के लिए नहीं दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी दूसरे स्थान को चिन्हित कर पर्यटन स्थल बनाया जा सकता है। पर्यटन के लिए ग्राम सभा हो और वहीं पर सब तय किया जाए।

वार्ड सदस्य सामुएल पूर्ति ने बताया कि वर्षो से पर्यटन स्थल बनाने को लेकर प्रयास किया जाता रहा है और लिखित भी दिया जा चुका है। पर्यटन स्थल बनेगा तो बेरोजगारी दूर हो जाएगी।

ग्राम प्रधान नेलसन मुंडा ने कहा कि पर्यटन स्थल बनने से क्षेत्र में उलिहातू का विकास होगा तो क्षेत्र में पलायन रुकेगा। बिरसा मुंडा की जन्मस्थली होने के साथ-साथ देश ही नहीं विदेशों में भी यह स्थान प्रसिद्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में होता रहा है कि ग्राम सभा को बिना बताए योजना पारित कर दी गई लेकिन पर्यटन स्थल को लेकर ग्राम सभा विचार कर रही है और जल्द ही पर्यटन स्थल के लिए ठोस निर्णय लिया जाएगा।

बता दें कि भगवान बिरसा मुंडा की जन्म और कर्मस्थली उलिहातू, डोम्बारी बुरु व उनके ननिहाल चलकद को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने को लेकर रविवार को पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने क्षेत्र का दौरा कर निरीक्षण किया। मंत्री के साथ तमाड़ विधायक विकास कुमार मुंडा, खूंटी विधायक राम सूर्या मुंडा, तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, पर्यटन सचिव अंजली यादव, डीसी लोकेश मिश्रा, एसपी अमन कुमार, एसडीओ दीपेश कुमारी, सीओ तृप्ति विजया कुजूर, बीडीओ गणेश महतो, भोलानाथ लाल व मनोज मंडल सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने झामुमो पर बोला हमला, कहा

इनके एजेंडे में विकास नहीं, समाज को बांटना है

मेट्रो रेज संवाददाता

गोड्डा: आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर बड़ा आरोप लगाया है। सुदेश महतो ने कहा कि उनके एजेंडे में विकास नहीं बल्कि समाज को बांटकर वोट की राजनीति है। उन्होंने लोगों से पूछा 'कब आएगी नौकरी की बाहर, स्कूल में शिक्षक और गरीब को आवास नहीं'।

दरसअल गोड्डा के एक निजी रिसोर्ट में आजसू का प्रमंडल स्तरीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि राज्य की वर्तमान सरकार विकास की राजनीति नहीं बल्कि लोगों को सामाजिक रूप से बांटने की राजनीति करती है।

खासतौर पर संथाल परगाना में जो आदिवासी, दलित व पिछड़ा आबादी वाला राज्य है, जहां विकास का मुद्दा होना चाहिए लेकिन झामुमो क्षेत्र की आदिवासियों का भला नहीं चाहती है, वो नहीं चाहती है कि आदिवासी समाज के लोग शिक्षित हो क्योंकि अगर वे शिक्षित हो जायेंगे तो अपने अधिकारों की बात करेंगे। ऐसे झामुमो सामाजिक स्तर पर बांटकर उनके बीच दूरिया पैदा करके वोट की राजनीति करती है।

'धोखा है मईया योजना': सुदेश महतो ने आगे कहा कि जरूरत है उनके जो कार्यकर्ता है वे गांव में जाकर बताये कि वर्तमान सरकार को विकास से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि मईया योजना एक धोखा है। प्रदेश में 3 लाख से ज्यादा सरकारी पद खाली है आखिर कब होगी इन पदों पर नियुक्ति? अधिकांश स्कूलों मे शिक्षक नहीं है। उन्होंने आसजू कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर जनता के मुद्दे उठाएं। हमारा मुख्य लक्ष्य पार्टी को विस्तार देना: सुदेश महतो ने पार्टी की रणनीति पर बोलते हुए कहा कि हमने पार्टी समीक्षा के बाद ये निर्णय लिया है कि हर प्रखंड में जायेंगे और पार्टी की मजबूती के लिए काम करेंगे और वर्तमान सरकार को जनता के हित के लिए नीति को बताएंगे। इस मौके पर पूर्व विधयाक लम्बोदर महतो, प्रवक्ता डॉ। देवशरण भगत, केंद्रीय सचिव संजीव महतो, प्रवीण प्रभाकर, खलील अहमद, केपी महतो व अन्य मौजूद रहे।

सिल्ली में बालू की अवैध ढुलाई बदस्तूर जारी

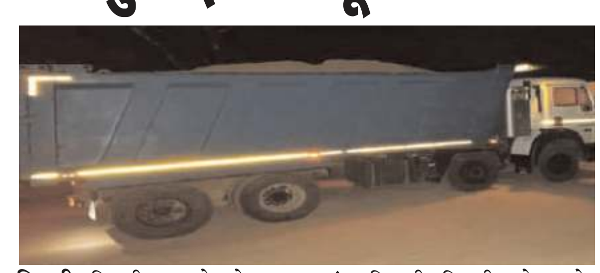

सिल्ली: सिल्ली थाना क्षेत्र के राढू नदी का झाबरी, श्यामनगर, जय नगर, हजाम, छोटा चांगडू, पतराहातु, रंगामाटी, पोगड़ा, बसंतपुर आदि बालू घाटों में बालू का अवैध खनन बेखौफ बदस्तूर जारी हैं। रोजाना एक आध नही बल्कि पूरी रात 40-50 हाइवा, टिपर हाइवा, ट्रबो तथा ट्रेक्टरो ढूलाई किया जा रहा है। स्थानीय पुलिस प्रशासन मौन है जबकि उपायुक्त रांची और जिला खनन पदा धिकारी का इन बालू घाटों से अवैध बालू का उठाव पर रोक के लिए सख्त निर्देश दे रखा है। शनिवार को जिला खनन पदाधिकारी रांची ने प्रखंड विकास पदा धिकारी सह प्रभारी अंचलधिकारी सिल्ली को उनके कार्यालय में मुलाकात कर बैगर चालान का बालू परिवहन करने वालों वाहनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जिम्मेदारों की मिलीभगत से चल रहा सफेद बालू का काला खेल

सूत्रों का माने तो बालू माफिया जिन्हें अवैध बालू ढूलाई रोकने की जिम्मेदारी है उनसे मिलकर बालू का उठाव अवैध रूप से झाबरी, श्यामनगर तथा जयनगर हजाम में कर रहे है और सरायकेला का चालान से सिल्ली अन गड़ा होते हुए रांची भेज रहे है इस सफेद बालू का काला खेल करने वाले शंकर साहू और विकास बताया जाता है।

शहीद दिवस पर याद किए गए भगत सिंह,राजगुरू व सुखदेव

दुमका : शहीद दिवस पर शहीदे आजम भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए रविवार को डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका (प्लस टू जिला स्कूल,दुमका) में एनसीसी कैडेटों द्वारा एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा के नेतृत्व में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप मे मैजूद प्रभारी प्राचार्य महेंद्रराज हंस,विशिष्ट अतिथि शिक्षक संजय कुमार सिन्हा, एसोसिएट एनसीसी पदाधिकारी डॉ0 दिलीप कुमार झा एवं एनसीसी कैडेटों ने माँ भारती के सच्चे सपूत शहीदे आजम भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।मुख्य अतिथि प्रभारी प्राचार्य महेंद्रराज हंस ने वीर अमर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि देश की स्वतंत्रता एवं संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले माँ भारती के सच्चे सपूत एवं अमर बलिदानी शहीदे आजम भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव की गौरवगाथा युगों युगों तक हर भारतीय के हृदय स्थल पर अमिट रूप से अंकित रहेगा। श्री राजहंस ने कहा कि 23 मार्च 1931 का दिन सभी भारतीयों को याद रहेगा,जिस दिन अंग्रेजी हुकूमत ने माँ भारती के तीन सपूतों को फांसी दे दिया। कहा कि अपने देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव का अमर बलिदान व्यर्थ नही गया। उन वीर सपूतों के बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को और मजबूत कर दिया।विशिष्ट अतिथि संजय कुमार सिन्हा ने अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन करते हुए कहा कि अमर शहीद भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव सभी भारतीयों के लिए आदर्श हैं।श्री संजय ने कहा कि शहीद भगत सिंह,राजगुरु एवं सुखदेव ने अपने राष्ट्र को अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी से मुक्त करने के लिए हँसते हँसते फांसी के फंदे को फूल का हार समझ कर गले मे लगा लिया।

जेकेएलएम जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न

पार्टी विस्तार व चुनाव की तैयारियों पर बनी रणनीति

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह डूमरी विधायक टाइगर जयराम महतो के निदेर्शानुसार धनबाद जिला प्रधान कार्यालय मेमको मोड़ में पार्टी की जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता पार्टी के धनबाद नगर जिलाध्यक्ष शक्तिनाथ महतो और संचालन जिला महासचिव सलाउद्दीन अंसारी ने किया। बैठक में झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के संगठन मजबूती विस्तार और आगामी चुनाव की तैयारी पर रणनीति तैयार किया गया। बैठक में टाइगर जयराम महतो के विचारधाराओं को धनबाद जिले अंतर्गत सिंदरी विधानसभा से लेकर सभी विधानसभा क्षेत्रों में जन- जन पहुंचाने का निर्णय लिया गया। धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि झारखंड में अगर सकारात्मक बदलाव ला सकता है तो वह हमारी झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड

लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ही।

बैठक में मुख्य रूप से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के धनबाद नगर जिलाध्यक्ष शक्तिनाथ महतो, धनबाद जिला मीडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो, केंद्रीय अध्यक्ष युवा मोर्चा कुश महतो, धनबाद नगर जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा डिंपल चौबे, जिला महासचिव सलाउद्दीन अंसारी, बाघमारा पूर्व प्रत्याशी दीपक रवानी, एसी मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष हरेंद्र रजक, अखलाख अंसारी, राईडर भाई, पूर्व प्रत्याशी सपन मोदक, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटू रजक, जिला कार्यसमिति प्रेम रजक और जिला कोषाध्यक्ष पप्पु पहाड़ी महतो शामिल है।

बच्चों के विकास में सहयोग करता है समर कैंप

बरकाकाना: डीएवी बरकाकाना में छह दिवसीय समर कैंप की शुरूआत हुई। समर कैंप में कक्षा एक से सप्तम तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य मो मुस्तफा मजिद ने कहा कि समर कैंप बच्चों के विकास के लिए आयोजित किया गया है। जीवन में शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद व योग को भी जानना जरूरी है। कैंप में बच्चों को योग, आर्चरी, घुड़सवारी, पेंटिंग, पॉटरी, जुंबा का प्रशिक्षण दिया जायेगा। योग शिक्षक रंधीर गुप्ता, नरेंद्र कुमार, आर्चरी प्रशिक्षण के लिए नेशनल चैंपियन इन आर्चरी दुर्गावती तथा नेशनल फेम यू ट्यूबर मुकेश शाह व बबलू शर्मा को समर कैंप में शामिल किया गया है।

मंईयां सम्मान योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा

सत्यापन के बदले आंगनबाड़ी सेविकाओं ने लाभुकों से की पैसे की मांग

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : झारखंड में कई जिलों में हजारों महिलाओं को हेमंत सरकार की महत्वकांक्षी मंईयां सम्मान योजना की 3 माह की राशि अभी तक नहीं प्रप्त हुई है, जिसको लेकर लाभुक प्रखंड के चक्कर काट रहे हैं। वहीं इस बीच मंईयां सम्मान योजना को लेकर बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया है।

सत्यापन के बदले लाभुकों से की जा रही पैसे की मांग: दरअसल, पूरा मामला धुर्वा में लाभुक महिलाओं से आवेदन के सत्यापन के बदले पैसों की मांग करने का है। जानकारी के मुताबिक, लाभुकों से सत्यापन के बदले पैसे की मांग की जा रही है। वहीं जब इस मामले की खबर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को लगी तो उन्होंने एक्शन लिया। शिकायत मिलते ही उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने तीन आंगनबाड़ी सेविकाओं के खिलाफ त्वरित ऐक्शन लेते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं धुर्वा बंधन कोच्चा की रहने वाली अर्चना सिंह, गायत्री नगर धुर्वा की गीता कुमारी और कदम खटाल की उषा कुमारी पर कार्रवाई की गई है।रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने लिया एक्शन: बता दें कि, योजना की लाभुक महिलाओं

ने जन शिकायत कोषांग के लिए जारी व्हाट्सएप नंबर पर आंगनबाड़ी सेविकाओं के खिलाफ शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया कि, आंगनबाड़ी सेविका मंईयां सम्मान योजना की सत्यापन प्रक्रिया के लिए लाभुकों से पैसों की मांग कर रही है। शिकायत मिलते ही सेविकाओं के खिलाफ रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मामले पर त्वरित कार्रवाई की। यहां आपको बता दें कि, मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया निःशुल्क है। अगर कोई आपसे पैसे की मांग करता है तो तुरंत उसकी शिकायत हेल्पलाइन नंबर पर करें।

विधानसभा में उठा नगर निकाय चुनाव का मुद्दा, मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा-

समय पर होगा नगर निकाय चुनाव

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा सत्र के 17वें दिन सोमवार को सदन में नगर निकाय चुनाव का मुद्दा उठा। विधायक सरयू राय ने नगर निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि जिस तरह पंचायत चुनाव बिना ओबीसी आरक्षण के संपन्न हुआ लगता है नगर निकाय चुनाव भी बिना ओबीसी आरक्षण के होगा। रघुवर सरकार में मंत्री रहे सरयू राय ने सवाल पूछा कि सरकार ने इस दिशा क्या कदम उठाया है। इसका जवाब देते हुए सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि नगर निकाय चुनाव समय पर होगा। जरूरत पड़ी तो चुनाव कराने के लिए कोर्ट से समय मांगा जाएगा।

जेडीयू विधायक सरयू राय के सवाल पर संसदीय कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने विधानसभा में कहा कि हाईकोर्ट का डेडलाइन 16 मई को खत्म हो रहा है। अभी तक ट्रिपल टेस्ट का काम पूरा नहीं हुआ है। जिलों में ट्रिपल टेस्ट का काम पूरा होने के बाद ही विधानसभा का चुनाव कराया जा सकता है। 16 मई को इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। ओबीसी के प्रतिनिधित्व को देखते हुए कुछ और समय देने का आग्रह कोर्ट से किया जाएगा।

बीजेपी विधायक नवीन जायसवाल ने सरयू राय के बाद सरकार से सवाल करते हुए कहा कि मुखिया का चुनाव बिना ओबीसी आरक्षण के बिना हुआ। नगर निकाय का चुनाव कराने में विलंब हो रही है। इसके बाद मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि सरकार ओबीसी को आरक्षण देने को लेकर दृढ़संकल्प है। ओबीसी को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने का सवाल है इसलिए ट्रिपल टेस्ट करना अनिवार्य है। परिस्थितिजन्य स्थिति में मुखिया का चुनाव ओबीसी आरक्षण के बिना हुआ। बीजेपी पर हमला करते हुए उन्होने कहा कि पिछड़े का आरक्षण इन्होने 27 फीसदी से 14 फीसदी कर दिया अगर इनकी पिछड़े की चिंता है तो उनका आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 फीसदी कर दें। इसके बाद नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि 16 मई को हाईकोर्ट की डेडलाइन है, ट्रिपल टेस्ट के बिना नगर निकाय का चुनाव नहीं होगा, ओबीसी के प्रतिनिधित्व को देखते हुए वो कोर्ट से कुछ और समय देने का आग्रह करेंगे।

मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन की बैठक में लिये गये कई निर्णय

रांची: झारखंड मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा इमरजेंसी मीटिंग रखी गयी। मीटिंग में निर्णय लिया गया कि बेंगलुरु में 29 मार्च 2025, को माफी मास्टर एथलेटिक्स फेडरेशन द्वारा मीटिंग रखा गया है जहां पर एशिया खेलकूद प्रतियोगिता के बारे में डिस्कस किया जाएगा। झारखंड मास्टर एथलेटिक एसोसिएशन की तरफ से झारखंड मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन? के प्रेसिडेंट राजकुमार वाल्मीकि और ज्वाइन सेक्रेटरी, सुरजीत सिंह इस मीटिंग में शामिल होंगे और इस मीटिंग में निर्णय लिया गया जो बेंगलुरु में 4 से 9 फरवरी को नेशनल मास्टर खेलकूद प्रतियोगिता हुआ था उसका पूरा विवरण के , के,ठाकुर भैया द्वारा

खर्च के बारे में बताया गया। इस मीटिंग की अध्यक्षता सुरेन्द्र बारीक द्वारा की गयी और समापन प्रेसिडेंट,राजकुमार वाल्मीकि द्वारा किया गया। झारखंड मास्टर एथलेटिक के सेक्रेटरी लक्ष्मण राम ने सभी को यह जानकारी दी। इंडिया में ही इस बार एशियाई मास्टर खेलकूद प्रतियोगिता हो सकता है 29 मार्च को फैसला लिया जाएगा बेंगलुरु में जैसे ही डेट और जगह आने पर सभी को जानकारी दे दी जायेगी। इस मीटिंग में शामिल होने वाले पदाधिकारी सचिव, लक्ष्मण राम ,प्रेसिडेंट राजकुमार वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र प्रसाद साहू,जैन सेक्रेटरी केके ठाकुर, राजेंद्र महतो, सुरजीत सिंह, मधु ओरांव, संजय, पूजा कुमारी, बाबू देव, सुरेन्द्र बारीक, इस मीटिंग में शामिल हुए, सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

कराटे डू एसोसिएशन ऑफ झारखंड (कैज)की आम बैठक व चुनाव संपन्न

रांची/ जमशेदपुरः कराटे डू एसोसिएशन ऑफ झारखंड(कैज)की आम बैठक स्थानीय जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सम्पन्न हुई । बैठक में झारखंड प्रदेश के 18 ज़िलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया एवं कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड की नई कार्यकारिणी टीम के गठन पर विस्तृत चर्चा की। विभिन्न विषयों पर चर्चा के उपरांत वैधानिक व्यवस्था के तहत कार्यकारणी की टीम की घोषणा की गई जिसका कार्यकाल अगले 3 वर्ष के लिए प्रभावी होगा।

टीम का चुनाव ऑल इंडिया कराटे डू फेडरेशन के पीआर ओएमए कुमार की देख रेख में सम्पन्न हुई। चुनाव के परिणाम स्वरूप कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष के रूप में पुनः एक बार श्री नंदजी प्रसाद पर विश्वास जताया गया एवं उनको निर्विरोध अध्यक्ष नियुक्ति किया गया।

वर्तमान में श्री नंदजी प्रसाद जी ऑल इंडिया कराटे डू फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी के पद पर विराजमान हैं । टीम के अन्य सदस्यों में विमल आनंद नाग की नियुक्ति उपाध्यक्ष टेक्निकल, श्रीगणेश थापा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नौशाद खान उपाध्यक्ष, निरंजन पाण्डेय महासचिव राहुल गोप सचिव, कमल किशोर कच्छप सचिव, गुलाम जावेद संयुक्त सचिव, राकेश कुमार एक्का संयुक्त सचिव, संगीता दास संयुक्त सचिव,शशि सुमन संयुक्त सचिव, राजेश मोहंती कोषाध्यक्ष एवं साथ में कार्यकारी सदस्यों के रूप में तापस मुखर्जी, मनोज कुमार, अवधेश कुमार, सुष्मिता प्रियंका किसपोट्टा, सविता सिंह, शिवकुमार महतो एवं राकेश कुमार एक्का की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद नंदजी प्रसाद ने सभी कराटे संघ के अधिकारियों का आभार प्रकट किया और कहा कुछ लोग साजिश के तहत कराटे के खेल को बढ़ने नहीं दे रहे है और अच्छे अच्छे खिलाड़ियों का भविष्य खराब हो रहा है।2025 में पूरे भारत में कराटे में क्रांति आने की संभावना है झारखंड में प्रतिभावान खिलाड़ियों को निकलने के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में टैलेंट सर्च प्रोग्राम चलाया जाएगा।

आजसू ने रांची विवि के कुलपति का किया घेराव, सौंपा मांगपत्र

मेट्रो रेज

रांचीः अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) द्वारा रांची विश्वविद्यालय के कुलपति का घेराव किया गया । आजसू ने घेराव के माध्यम से छात्र हित में निम्नलिखित मांग किया जो इस प्रकार है :-

- बीपीएड एवं एमपीएड कोर्स इसी सत्र से शुरू की जाये।
- पीएचडी एग्जाम की तिथि अभिलंब घोषित किया जाये ।
- हर वर्ष छात्र संघ चुनाव करवाने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति बनाई जाये ।
- विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी छात्रों का सामूहिक बीमा कराया जाये ।
- सरकार से आग्रह कर स्थाई शिक्षको की कमी को अविलंब दूर की जाये ।

- स्थाई प्रिंसीपल की नियुक्ति हेतु सरकार से अविलंब आग्रह की जाये ।
- स्थाई कुलसचिव एवं परीक्षा कंट्रोलर की नियुक्ति हेतु जेपीएससी को आग्रह अविलंब की जाये ।
- विश्वविद्यालय में इंजीनीयर की नियुक्ति अविलंब की जाये ।
- भवन निर्माण की सभी कार्य पूर्व की तरह विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग सेल के माध्यम से की जाये ।
- विश्वविद्यालय की ऑडिट रिपोर्ट सार्वजनिक की जाये ।
- मेडिकल कॉलेज एवं इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना रांची विश्वविद्यालय की अविलंब हो ।

कुलपति महोदय ने सभी छात्र हित के जायज मागों पर सहमति दी और सभी मांगों को पूरा करने की बात कही ।

प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने कहा कि छात्र हित में अभिलंब मांगो को पूरा नहीं किया गया तो आजसू बाध्य हो विश्विद्यालय में तालाबंदी करेगी । घेराव कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, रोशन नायक, सक्षम झा, राजेश सिंह, चेतन प्रकाश,अजित कुमार,रोहन यादव, विक्रम बड़ाइक,दुर्गेश ,राज यादव,राज पहरी,संदीप सिंह,विनय , जमाल गद्दी व अन्य उपस्थित थे।

श्री सनातन महापंचायत की बैठक

सभी धार्मिक संगठनों से समन्वय बनाकर मनायी जायेगी रामनवमी

मेट्रो रेज

,5

रांचीः विशालाक्षी बैंक्वेट हॉल पिस्का मोड में मुख संयोजक ललित नारायण ओझा की अध्यक्षता में श्री सनातन महापंचायत की बैठक हुई।

बैइक का संचालन संजय कुमार जायसवाल एवं धन्यवाद ज्ञापन सत्यजीत कुमार सिंह ने किया। बैठक में रांची विधायक सीपी सिंह ने कहा कि हर सनातनी को रामनवमी शोभायात्रा में तलवार लेकर तपोवन राम मंदिर जाना चाहिए एवं घर की महिलाओं भी हाथ में हनुमान पताका लेकर तपोवन मंदिर पहुंचना चाहिए।

मुख संयोजक ललित नारायण ओझा ने कहा सभी अखाड़ाधारी से महापंचायत जाकर मिलेगा उनकी समस्याओं से अवगत होगा तथा श्री सनातन महापंचायत की टीम टोली बनाकर अखाड़ा धारी मिलेंगे। क्षेत्र के सभी सनातनी माता बहने एवं युवा साथी हाथ में तलवार हनुमान पताका लेकर निकले ताकि रामनवमी शोभा यात्रा ऐतिहासिक हो इस विराट बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में अविनेश सिंह , संजय मिनोचा ,शशांक राज ,शंकर दुबे ,नंदकिशोर सिंह, चंदेल सुजीत सिंह ,नीतू सिंह, पूनम सिंह ,लंकेश सिंह ,सूरज चौरसिया, नीरज सिंह ,मुकेश सिंह,प्रशांत राज , संजीव चौधरी, मंतोष सिंह, कुमुद झा ,शुभम कुमार जायसवाल, रोहित राज पांडे, गोपाल पारीक, संजय कुमार महतो ,सिद्धार्थ दुबे, श्याम कुमार चौधरी ,चंदन मिश्रा ,धर्मशिला सिंह, अर्चना साहू ,पूजा देवी ,रोनी साहू सहित हजार की संख्या में सनातनी उपस्थित है।

नगदी, जेवर ,ओरिजिनल मार्कशीट व एडमिट कार्ड की चोरी

रांची : खिजर टोला ग्राम अली नगर में (बरियातु रोड) पिछले 26 दिसंबर 2024 को चोरी की जो घटना घटी अभी तक उसकी भरपाई नहीं सकी है । अभी तक चोरी करने वाले चोर पुलिस की पकड़ से बाहर है । जिससे चोरों के हौसले बुलंद हैं । पीड़ित फजल खान ने सदर थाना पुलिस को लिखित आवेदन में बताया कि रुपए जेवर और बेटी का ओरिजिनल मार्कशीट एडमिट कार्ड आदि सभी चला गया जिससे मेरी बेटी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । उन्होंने सदर थाना पुलिस से अपील की है कि जल्द से जल्द चोर को ढूंढने में मदद करें । ताकि फिर कभी ऐसी घटना को अंजाम नहीं दे पाए ।

राज्य में पड़ेगी भीषण गर्मी 10 डिग्री तक बढ़ेगा पारा

रांचीः राज्य में पिछले 4 दिनों से चल रहे मौसम के मिजाज में बदलाव आने वाला है। सुहावने मौसम के बाद अब राज्य वासियों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

आज बारिश की संभावना नहींः मौसम विभाग के मुताबिक आज झारखंड में आसमान साफ रहेगा। बारिश की संभावना नहीं है। कोई चेतावनी भी नहीं है। 29 मार्च तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक 29 मार्च तक मौसम साफ और शुष्क रहेगा। इस दौरान बारिश नहीं होगी। न्यूनतम और

अधिकतम तापमान में वृद्धि होगी। अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान करीब 9 से 10 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है।

बता दें कि पिछले 4 दिनों से राज्य में अच्छी-खासी बारिश देखने को मिली। राज्य में बारिश के दौरान ओलावृष्टि हुई। इस दौरान कई लोगों की वज्रपात से मौत भी हुई। वहीं, राजधानी रांची सहित कई जिलों का बीते रविवार को भी मौसम का मिजाज बदला रहा। रुक-रुक कर दिनभर बारिश होती रही। राजधानी रांची में करीब एक मिमी बारिश हुई। बारिश और बादल के कारण तापमान गिरा रहा। न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। गुमला और हजारीबाग के साथ-साथ संताल परगना के कई जिलों में भी बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक करीब 14 मिमी बारिश मैथन में हुई।

कल निकलेगा महिलाओं का मंगलवारी जुलूस

रांचीः श्री महावीर मंडल मकचुन्द टोली चुटिया के तत्वावधान में महिलाओं का विशाल मंगलवारी जुलूस पारंपरिक गाजे बाजे , अस्त्र शस्त्र के साथ निकाला जायेगा। जुलूस लोअर चुटिया होते हुए प्राचीन श्रीराम मंदिर तक जायेगा।

मैथिली मंच का त्रिदिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व व रजत जयंती समारोह 28 से

रांचीः झारखण्ड मैथिली मंच,रांची के तत्वावधान में 28,29 एवं 30 मार्च को त्रिदिवसीय विद्यापति स्मृति पर्व रजत जयंती समारोह आयोजित होने जा रहा है।

समारोह में महामहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री सहित अनेक माननीय गणमान्य के सम्मिलित होने की संभावना है।

ख्यातिप्राप्त साहित्यकार, विद्वान कविगण पधार रहे हैं।

सांसकृतिक कार्यक्रम में लब्ध प्रतिष्ठित कलाकार आ रहे हैं।

अन्य अनेक आकर्षक कार्यक्रम होंगे। वर्तमान में जोरदार तैयारी चल रही है। इस संबंध में मीडिया बंधु के सहयोग की अपेक्षा है।

इसी विषय को ध्यान में रखते हुए दिनांक 25 मार्च अपराह्न 2:30 बजे विद्यापति दलान,हरमू, कार्तिक उरांव चौक के नजदीक मंच के भवन में प्रेस कान्फ्रेस आयोजित किया गया है।

अतः सभी प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधि से अनुरोध है कि इस अवसर पर उपस्थित होकर सहयोग करेंगे । सधन्यवाद

आपके उपस्थिति के आकांक्षी : संरक्षक अरूण कुमार झा(मो-9431169798) अध्यक्ष विनय कुमार झा (मो-7004693756),सचिव जयन्त कुमार झा(मो-7033527744), झारखण्ड मैथिली मंच, राँची।

ईद और रामनवमी को लेकर केन्द्रीय शांति समिति की बैठक

आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील

मेट्रो रेज

रांचीः ईद एवं रामनवमी पर्व को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी। रांची समाहरणालय ब्लॉक-बी स्थित कमरा संख्या-505 में आयोजित बैठक में डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक,राँची चंदन सिन्हा,पुलिस अधीक्षक, नगर राँची राज कुमार मेहता,अनुमंडल पदाधिकारी, सदर एवं बुण्डू, झारखण्ड राज्य गो सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक यातायात, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था), जिला नजारत उप समाहर्त्ता संबंधित पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

शांति समिति के सदस्यों ने दिये सुझावः बैठक में केन्द्रीय शांति समिति के सदस्यों ने बारी-बारी से अपने सुझाव दिये। समिति के सदस्यों द्वारा पर्व के दौरान सीसीटीवी एवं ड्रोन से निगरानी, आपराधिक प्रवृति के लोगों को चिन्हित कर त्वरित कार्रवाई, साफ-सफाई, बिजली-पानी एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। समिति की महिला सदस्यों द्वारा रामनवमी के दौरान पर्याप्त संख्या में महिला पुलिसकर्मियों की प्रतिनियुक्ति की बात कही गयी। सदस्यों ने जुलूस के स्वागत के दौरान समितियों द्वारा स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से शरबत में चीनी के उपयोग का अनुरोध किया गया।

सदस्यों के सुझाव पर जिला प्रशासन करेगा कार्यः उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि शांति समिति के सदस्यों के सुझावों पर जिला प्रशासन द्वारा उचित कार्य किया जायेगा। होली के शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होने पर उन्होंने केन्द्रीय समिति के सहयोग की सराहना की। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि सभी के परिश्रम, सहयोग और जिला प्रशासन के नेतृत्व में यह संभव हो पाया, आगामी त्योहार भी सभी के सहयोग से सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होंगे पूरी उम्मीद है।

शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार संपन्न कराना हम सबकी जिम्मेवारीः उपायुक्त -सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि रांची को पूरे देश और राज्य में आदर्श बनाना है, इसके लिए हम सभी को मिलकर अपनी जिम्मेवारी निभानी होगी, शांतिपूर्ण माहौल में सभी त्योहार संपन्न हो यह हम सबकी जिम्मेवारी है। उन्होंने जिला के सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र को शांति समिति की बैठक करने का निर्देश दिया। सरहुल को लेकर उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि पर्व के लिए अलग से एक और बैठक की जायेगी ताकि सभी आवश्यक बिन्दुओं पर उचित कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि रामनवमी पर्व से पहले जुलूस रुट का भी जिला प्रशासन द्वारा जायजा लियाा जायेगा।

सोशल मीडिया पर जिला प्रशासन-पुलिस की कड़ी निगरानी : आगामी पर्व-त्योहारों पर सोशल मीडिया पर प्रशासन-पुलिस की कड़ी निगरानी रहेगी। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर किसी तरह की आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर उत्तेजित न हो, अफवाहों से बचें और जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय देते हुए फौरन पुलिस-प्रशासन को इसकी जानकारी दें। किसी भी तरह की आपत्तिजनक पोस्ट को शेयर न करें और उसे प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि सोशल मीडिया पर सौहार्द बिगाड़नेवालों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के होंगे पुख्ता इंतजामः डीआईजी-सह-एसएसपी : केन्द्रीय शांति समिति की बैठक के दौरान डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची चंदन कुमार सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की ओर से पर्याप्त व्यवस्था की जायेगी। उन्होंने कहा शांति समिति, पूजा समिति और अखाड़ा समिति के लोग एवं बीडीओ-सीओ सतर्क होकर धरातल पर कार्य करें, पुलिस का पूरा सहयोग मिलेगा। आपराधिक प्रवृति के लोगों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस कार्रवाई से चूकेगी नहीं। केंन्द्रीय शांति समिति की बैठक के दौरान झारखण्ड राज्य गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री राजीव रंजन ने भी सौहार्दपूर्ण वातावरण में भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की बात कही।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

जांच की जरूरत

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी निवास से भारी मात्रा में नगदी प्राप्त होने के बाद देश के प्रधान न्यायाधीश ने कड़ा रुख अपनाते हुए उनको न्यायिक कामकाज से अलग रखने को कहा। साथ ही इन अरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन कर दिया। जैसा कि जस्टिस वर्मा के घर होली वाले दिन लगी आग पर काबू पाने गए अग्निशमन कर्मचारियों को स्टोर रूम में भारी नकदी मिली थी। इलाहाबाद बार एशोसिएशन ने इसे पंद्रह करोड़.रुपये बताया। पुलिस के अनुसार दिल्ली हाई कोर्ट ने जस्टिस वर्मा से आग की घटना के दौरान की सभी कॉल्स को सुरक्षित रखने को कहा है। पिछले छह महीनों के उनके कॉल रिकार्ड.भी अदालत ने पुलिस से मांगे हैं। शीर्ष अदालत ने पुलिस द्वारा रिकॉर्ड.किए गए वीडियो, तस्वीरें व शुरुआती जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी। जस्टिस यशवंत का दावा है कि उन्होंने खुद या उनके परिवार ने कभी नकदी नहीं रखी, यह उनके खिलाफ साजिश है। खबरों के अनुसार उनके आवास में मौजूद सुरक्षाकर्मी ने माना कि अग्निकांड़ की अगली सुबह कुछ अधजली चीजों को वहां से हटाया गया। जो मामले को और भी संदिग्ध बना रहा है। जांच रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि घर के इस हिस्से में घरवालों के अलावा नौकरों व मालियों का भी आना- जाना था। कहा जा सकता है कि यूं असुरक्षित व खुले में इतनी मोटी राशि रखने का औचित्य नहीं बनता। मगर पिछले दिनों इनकम टैक्स के छापों में पुरानी खटारा खड़ी गाड़ी में भारी नकदी पाए जाने जैसी घटनाओं का याद आना स्वाभाविक है। उनके निवास में लगे सभी सीसीटीवी रिकॉर्ड.को सुरक्षित रखना भी जरूरी है। न्याय की कुर्सी पर बैठे शख्स से बेदाग होने की उम्मीद बेमानी नहीं कही जा सकती। सबसे बड़ी अदालत ने 1999 में इन हाउस कमेटी का गठन किया था। जिसमें तीन जजों की कमेटी हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज के खिलाफ हुई शिकायतों की जांच करती है। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस जली हुई राशि व जज का सिर्फ तबादला किये जाने पर काफी रोष व्यक्त किया था जो न्याय-व्यवस्था पर सीधा प्रहार था। निःसंदेह निष्पक्ष जांच द्वारा ही दूध का दूध-पानी का पानी किया जा सकता है। जज के बेकसूर पाए जाने के बाद भी जरूरी है। साजिश की गहराई से पड़ताल की जाए। दोषी पाए जाने पर कमेटी इस्तीफे की मांग भी कर सकती है। न्यायपालिका की निष्पक्षता को अक्षुण्य बनाये रखने के हर संभव प्रयास जरूरी हैं।

नए श्रम कानूनों को लेकर टकराव

कोविड महामारी के चरम पर केंद्र सरकार ने श्रम कानूनों का एक नया सेट पेश किया था। यह श्रमिक संघों के साथ किसी भी परामर्श के बिना हुआ था। इसके अलावा, विधेयक उस समय पारित किया गया जब विपक्ष संसद से बाहर चला गया था। इसलिए, संसद में विधेयक में संभावित बदलावों के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। यह स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार की ओर से श्रम संहिताओं द्वारा अनिवार्य परिवर्तनों को कानून बनाने की असामान्य जल्दबाजी का संकेत देता है जो बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करेगा। चार श्रम संहिताओं के सेट का घोषित कारण बड़ी संख्या में अलग-अलग कानूनों को युक्तिसंगत और एकीकृत करने की आवश्यकता थी, जिनमें से कुछ बहुत पुराने और पुराने लग रहे थे। चार संहिताएँ मजदूरी, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कामकाजी परिस्थितियों से संबंधित हैं। केंद्र राज्य सरकारों के साथ मिलकर नियमों का एक सामंजस्यपूर्ण सेट तैयार करने के लिए काम कर रहा है। यह आवश्यक है क्योंकि श्रम का विषय समवर्ती सूची में है। लक्ष्य वित्तीय वर्ष, 2025-26 से नए नियमों को प्रभावी बनाना है। ' लेकिन श्रमिक और ट्रेड यूनियन इस विकास के बेहद आलोचक रहे हैं। नए कानूनों को नियोक्ता, कॉर्पोरेट संस्थाओं के पक्ष में और श्रमिकों के हितों के खिलाफ माना जा रहा है। ग्यारह केंद्रीय ट्रेड यूनियनों - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ट्रेड यूनियन शाखा इनमें शामिल नहीं थी - ने हाल ही में बैठक की और मई में राष्ट्रव्यापी हड़ताल करने पर सहमति जताई। नए नियमों से व्यापार करने में आसानी बढ़ने की उम्मीद है। इसे श्रमिक संघों ने श्रम विरोधी के रूप में व्याख्यायित किया है। उन्होंने कई ऐसे उदाहरण बताए हैं जहां नए नियम अनुचित तरीके से श्रमिकों के हितों के खिलाफ जा सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि नए कोड लागू किए जाते हैं, तो ट्रेड यूनियनों की शक्ति में कमी आएगी, खासकर नियोक्ताओं के साथ उनकी सौदेबाजी की ताकत। इससे, अन्य बातों के अलावा, नौकरी की सुरक्षा में कमी आएगी, काम करने की स्थिति में गिरावट आएगी, नियोक्ताओं के लिए काम पर रखना और निकालना बहुत आसान हो जाएगा, और दैनिक कार्य घंटों को 12 तक बढ़ाने की संभावना खुल जाएगी। देश में अधिकांश श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि ये श्रम कोड उनके हितों की रक्षा कैसे करेंगे और उनके लाभों में सुधार कैसे करेंगे। केंद्र सरकार का यह दावा सही हो सकता है कि श्रमिकों के अधिकारों के कारण श्रम बाजारों के लिए आवश्यक लचीलापन हासिल करना लगभग असंभव हो जाता है। हालांकि, इतिहास से पता चलता है कि जिन देशों ने नियोक्ताओं को अधिक शक्ति देकर श्रम बाजारों को लचीला बनाने के लिए आर्थिक रूप से अच्छा काम किया, उन्होंने एक साथ एक मजबूत, व्यापक, समावेशी, वित्तीय रूप से वित्तपोषित सामाजिक सुरक्षा जाल भी बनाया था जिसे श्रमिकों द्वारा बीमा के रूप में माना जाता था। दुर्भाग्य से यह धारणा आज भारत में मौजूद नहीं है।

भारत में जनसंख्या फिर बना जीवित मुद्दा

> जनसंख्या भारतीय नेताओं और योजनाकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, और बड़ी आबादी एक बड़ी चुनौती बन जाती है। सामाजिक निवेश सभी आर्थिक व्यय का एक आवश्यक और बड़ा घटक बन जाता है। अभी, राज्य सामाजिक निवेश का बोझ उठा रहा है, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य या शहरों के विकास में हो, क्योंकि 2050 तक भारत की आधी से ज्यादा आबादी शहरों में रह रही होगी। जनसंख्या के पहलू पर खुलकर चर्चा किए बिना, देश भर में स्कूलों, अस्पतालों, घरों के सामाजिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के बिना 2047 में विकसित भारत की कल्पना करना मददगार नहीं होगा। जलवायु परिवर्तन का दबाव क्षितिज पर बहुत ज्यादा होगा।

लंबे समय के बाद लोग जनसंख्या के मुद्दे और इसे नियंत्रित करने की आवश्यकता के बारे में बात कर रहे हैं। यह 1975-77 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए कुख्यात आपातकाल और इंदिरा के बेटे संजय गांधी के इशारे पर किए गए शैतानी जबरन नसबंदी के 50 साल बाद हो रहा है। परिवार नियोजन, जो तब तक एक बेतुका सरकारी नीतिगत नारा था, अगले दशकों में लगभग गायब हो गया। कभी-कभी यहाँ-वहाँ यह बात उठती है कि जनसंख्या वृद्धि चिंता का विषय है। पिछले कुछ वर्षों में जनसंख्या नियंत्रण सार्वजनिक चर्चा में वापस आया है, लेकिन यह अभी भी हाशिए पर है। भाजपा सरकार के विचार बैरोमीटर, आरएसएस ने इस बारे में दो स्वरों में बात की है, कभी इसके पक्ष में, तो कभी इसके खिलाफ। आरएसएस सुप्रीमो मोहन भागवत ने एक समय जनसंख्या नियंत्रण की आवश्यकता का सुझाव दिया, जबकि दूसरे समय उन्होंने हिंदुओं के लिए अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता की बात की। आलोचकों को श्री भागवत की दोहरी बात में बहुत अस्पष्टता नहीं दिखती। उनका कहना है कि जब वे जनसंख्या नियंत्रण की बात करते हैं, तो उनका मतलब मुस्लिम आबादी पर नियंत्रण से होता है और जब वे कहते हैं कि हिंदुओं को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए, तो यह इस निराधार डर के जवाब में होता है कि एक दिन मुस्लिम आबादी हिंदुओं से आगे निकल जाएगी। यह भी दिलचस्प तथ्य है कि भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार में कई लोग इस बात पर अघोषित गर्व करते हैं कि लगभग दो साल पहले भारत ने दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पीछे छोड़ दिया है। सबसे अधिक आबादी वाला देश होने से जुड़े मुद्दों पर बहुत अधिक विचार-विमर्श नहीं किया जाता है। साथ ही, इस बात की भी बहुत जल्दी है कि भारत को 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल कर लिया जाए, जब भारत स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने का जश्न मनाएगा। एक बार फिर, इस बात पर बहुत अधिक विचार नहीं किया जाता है कि अगर भारत की आबादी बढ़ती रही तो यह कैसे किया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र के जनसंख्या अनुमानों के अनुसार, 2027 में भारत की जनसंख्या 1947 में 34 करोड़ से बढ़कर 168 करोड़ हो जाएगी। 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का मतलब होगा कि भारत को 168 करोड़ लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और आय सहित पर्याप्त जीवन स्तर प्रदान करना होगा। नरेन्द्र मोदी सरकार के पास विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मजबूत योजनाएं हैं, विशेष रूप से सतत विकास लक्ष्य, या जिन्हें एसडीजी के रूप में जाना जाता है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सभी के लिए घर, पेयजल और न्यूनतम आय शामिल हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि भारतीय योजनाकार बुनियादी ढांचे से लेकर भविष्य के शहरों और परिवहन प्रणालियों तक क्षमता निर्माण को आगे बढ़ाते समय देश में बढ़ती आबादी को ध्यान में रख रहे हैं या नहीं। भारत के लिए प्रमुख दबाव बिंदुओं में से एक यह है कि क्षेत्रफल के लिहाज से यह 3.2 मिलियन वर्ग किमी है शहरी क्षेत्र कुल क्षेत्रफल का तीन प्रतिशत है, 30 प्रतिशत से कुछ अधिक आबादी का भरण-पोषण करता है और देश के सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत उत्पन्न करता है। अनुमानों के अनुसार, दूसरी अच्छी बात यह है कि भारत की 15-59 वर्ष की कार्यशील आबादी 2041 में 59 प्रतिशत पर पहुँच जाएगी, और भारत के पास इस समय के आसपास अधिकतम जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्त करने का अवसर है। अवसर की खिड़की के 38 साल तक चलने की उम्मीद है, उसके बाद यह कम होकर बंद होने लगेगी। भारत में 2100 में जनसंख्या में कमी आएगी, यदि सतत विकास लक्ष्य पूरे हो जाते हैं तो यह 900 मिलियन तक पहुँच जाएगी। इसलिए, जनसंख्या भारतीय नेताओं और योजनाकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, और बड़ी आबादी एक बड़ी चुनौती बन जाती है। सामाजिक निवेश सभी आर्थिक व्यय का एक आवश्यक और बड़ा घटक बन जाता है। अभी, राज्य सामाजिक निवेश का बोझ उठा रहा है, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य या शहरों के विकास में हो, क्योंकि 2050 तक भारत की आधी से ज्यादा आबादी शहरों में रह रही होगी। जनसंख्या के पहलू पर खुलकर चर्चा किए बिना, देश भर में स्कूलों, अस्पतालों, घरों के सामाजिक बुनियादी ढांचे के निर्माण के बिना 2047 में विकसित भारत की कल्पना करना मददगार नहीं होगा। जलवायु परिवर्तन का दबाव क्षितिज पर बहुत ज्यादा होगा। गर्मियों में तापमान बढ़ने के साथ घनी शहरी आबादी गर्मी के तनाव के अधीन होगी, मानसून के बदलते और अनिश्चित पैटर्न और नदियों के पतले होते जाने के साथ पानी एक तनावग्रस्त संसाधन होगा। बढ़ती आबादी का मतलब यह भी होगा कि वन क्षेत्र में कमी आएगी, जो निश्चित रूप से बहुत जरूरी जैव विविधता पर दबाव डालेगी। गहरा सवाल यह है कि क्या मानवीय हस्तक्षेप जनसंख्या चक्र को बदल सकता है। सामान्य चक्र यह है कि जनसंख्या बढ़ती है और चरम पर पहुँचती है, और फिर घटने लगती है। यही उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की आबादी के साथ हो रहा है जहाँ वृद्ध लोगों की संख्या में वृद्धि और युवा लोगों की संख्या में कमी हो रही है। ऐसा लगता है कि इस प्रवृत्ति को रोकना मुश्किल होगा। जैसे-जैसे भारत की आबादी बूढ़ी होने लगेगी, औसत आयु अन्य देशों की आबादी की तुलना में बहुत बाद में बढ़ेगी। इसके लिए आबादी की बारीकी से जांच की आवश्यकता होगी। भारत हो या चीन, दोनों ही देशों में जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम बहुत कम हैं। चीन की घटती जनसंख्या के लिए 1970 के दशक के एक-बच्चा कार्यक्रम को दोषी ठहराया जा रहा है। वहां की सरकार अब लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करना चाहती है। जनसंख्या वृद्धि की घटती दरों का सामना कर रहे कई देश युवा लोगों को शादी करने और बच्चे पैदा करने के लिए बेताब हैं। ऐसा लग सकता है कि भारतीय जनसंख्या एक खुशहाल स्थिति में है, जिसकी औसत आयु 28 वर्ष है, जबकि चीन और अमेरिका में यह 37 वर्ष, पश्चिमी यूरोप में 45 वर्ष और जापान में 49 वर्ष है। लेकिन जनसांख्यिकीय लाभांश को हल्के में नहीं लिया जा सकता। बड़ी कार्यशील जनसंख्या का लाभ उठाने के अवसर पैदा करने होंगे। पर्याप्त सामाजिक बुनियादी ढांचे के बिना, भारत एक संपन्न अर्थव्यवस्था के निचले सिरे पर रह सकता है, जो दुनिया को बढ़ई, मैकेनिक, नर्स और शिक्षक प्रदान करता है। भविष्य के विकास का ध्यान बढ़ती जनसंख्या पर होना चाहिए, इसे कैसे नियंत्रित किया जा सकता है, और मौजूदा संख्या का उपयोग उत्पादन और उपभोग दोनों के संदर्भ में आर्थिक शक्ति को अधिकतम करने के लिए कैसे किया जा सकता है।

औरंगजेब की कब्र पर बढ़ता विवाद

> इस नए साम्राज्य की बागडोर उनके सुपुत्र संभा जी महाराज ने संभाली। वह अपने राज्य को मजबूत करने के प्रयास में लगे थे। औरंगजेब चाहता था इस हिंद स्वराज का विस्तार होने से पहले-पहले किसी भी तरह इस पर कब्जा किया जाए। आरपार की लड़ाई थी। लेकिन 1689 में छत्रपति संभाजी महाराज पकड़े गए। अब टोपियां बना कर घर का खर्चा चलाने वाले औरंगजेब का असली रूप सामने आया। वैसे उसका एक रूप पूरा हिंदुस्तान पहले दिल्ली के चांदनी चौक में भी देख चुका था।

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

शैतानी रूहों के बारे में कहा जाता है कि वे अपनी कब्र से बार-बार बाहर निकलती रहती हैं। यत्नपूर्वक इन शैतानी रूहों को लोग कब्र में दबाते हैं, लेकिन कुछ साल बाद वे फिर बाहर आकर अपना शैतानी खेल शुरू कर देती हैं। मुगल खानदान के बादशाह औरंगजेब के साथ भी यही हो रहा है। उसने जिंदा रहते हुए भी लोगों पर अमानुषिक अत्याचार किए और मरने के बाद भी उसका यह खेल जारी है। सबसे पहले, औरंगजेब नाम का यह शख्स कौन था? इसका ताल्लुक मध्य एशिया से है और यह वहां के तुर्क समाज से ताल्लुक रखता था। यह बाबर के खानदान का था। बाबर के खानदान ने हिंदुस्तान पर हमला करके यहां अपना राज स्थापित किया था। इतिहास में इसे मुगल खानदान के नाम से जाना जाता है। बाबर के बाद उसका बेटा हुमायूं, उसके बाद अकबर, जहांगीर, शाहजहां और उसके बाद औरंगजेब ने सत्ता संभाली थी। लेकिन आगे बढ़ने से पहले यह जान लेना भी जरूरी है कि जब मुगल खानदान ने भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा किया, तब भी यहां मध्य एशिया के सुलतानों का ही राज था। सुलतानों का यह राज 1100-1200 ईस्वी सन के आसपास शुरू हो गया था। बाबर ने इब्राहिम लोधी को परास्त करके उत्तरी भारत के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाया था। किस्सा कोताह यह कि मुगल अपनी सल्तनत को पूरे हिंदुस्तान में फैलाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन हिंदुस्तान के लोग उनको खदेड़ने की कोशिश भी कर रहे थे। वैसे गहराई से देखा जाए तो मुगलों के इन हमलों को सबसे पहली चुनौती सप्तसिंधु में ही गुरु नानक देव जी ने दी थी। गुरु नानक देव जी द्वारा रचित बाबर वाणी इसकी गवाही देती है। नानक देव जी इस हमले को जम (यमराज) कर मुगल चढ़ाईया कहते हैं और इसको हिंदुस्तान डराइया भी कहते हैं।

जाहिर है कि सप्त सिंधु/पंजाब ने तो इस मुगल सत्ता को शुरू से ही चुनौती देनी शुरू कर दी थी। लेकिन मुगल सत्ता को दूसरी सबसे बड़ी चुनौती दक्षिण के पठारों में मराठों से मिली। शिवाजी मराठा के नेतृत्व में मराठों ने बहुत बड़े क्षेत्र को मुगलों से आजाद करवा कर 1674 में हिंदवी साम्राज्य यानी हिंदुस्तानियों के अपने राज की स्थापना की। इधर सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र में दशगुरु परंपरा, जिसका पौधा गुरु नानक देव जी ने लगाया था, का प्रभाव बढ़ता जा रहा था। अफगानिस्तान से लेकर दिल्ली तक नया उत्साह संचार हो रहा था। इसका प्रभाव इतना बढ़ा कि पश्चिमोत्तर भारत के लोगों ने पांचवें गुरु श्री अर्जुन देव जी को सच्चा पातशाह कहना शुरू कर दिया। यानी मुगल बादशाह तो झूठा है, वह हिंदुस्तान का बादशाह नहीं है। हमारा सच्चा पातशाह ही हिंदुस्तान का बादशाह है। गुरु अर्जुन देव जी ने जन आस्था की रक्षा के लिए मुगलों का सामना किया, उनके आगे झुकने से इंकार कर दिया। मुगल बादशाह जहांगीर की दारुण यातनाओं का सामना करते हुए बलिदान दे दिया। लेकिन यह लड़ाई यहीं खत्म नहीं हुई। मुगल सत्ता पर औरंगजेब बैठा। लेकिन गद्दी पर कब्जा करने से पहले उसने अपने सभी भाइयों को मरवा दिया। मरवा दिया कहने मात्र से शायद स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाएगी। अपने बाप शाहजहां को कैद में डालने के बाद, औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह का सिर काट कर उसे थाल में सजा कर, शाहजहां को तोहफे के रूप में पेश किया। दक्षिण के पठारों में 1674 में हिंदवी राज की स्थापना ने औरंगजेब को हिला दिया था। इधर दशगुरु परंपरा के आंदोलन ने सप्त सिंधु/पंजाब क्षेत्र की हवा बदलनी शुरू कर दी थी। औरंगजेब के अत्याचार बढ़ते जा रहे थे, वह पूरे हिंदुस्तान को दारुल इस्लाम बना देना चाहता था। लेकिन दक्षिण में नींव हिल गई थी और इधर पंजाब विरोध में आ खड़ा हुआ था। इसका नेतृत्व नवम गुरु श्री तेग बहादुर जी कर रहे थे। इतिहास ने औरंगजेब के अत्याचारों की पराकाष्ठा भी देखी और श्री गुरु तेग बहादुर और उनके तीन साथियों के प्रतिरोध की क्षमता भी देखी। मतिदास जी, सती दास जी, भाई दियाला जी के किस निर्दयता से प्राण लिए गए, इसे कैसे भूला जा सकता है? गुरु तेग बहादुर जी का सिर तलवार के वार से धड़ से अलग कर दिया गया। उन्होंने बलिदान दे दिया, लेकिन इस्लाम स्वीकार नहीं किया। यह दुःखांत 1675 का है। 1680 में शिवाजी मराठा का देहावसान हो गया।

इस नए साम्राज्य की बागडोर उनके सुपुत्र संभा जी महाराज ने संभाली। वह अपने राज्य को मजबूत करने के प्रयास में लगे थे। औरंगजेब चाहता था इस हिंद स्वराज का विस्तार होने से पहले-पहले किसी भी तरह इस पर कब्जा किया जाए। आरपार की लड़ाई थी। लेकिन 1689 में छत्रपति संभाजी महाराज पकड़े गए। अब टोपियां बना कर घर का खर्चा चलाने वाले औरंगजेब का असली रूप सामने आया। वैसे उसका एक रूप पूरा हिंदुस्तान पहले दिल्ली के चांदनी चौक में भी देख चुका था। इस बार फिर औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। औरंगजेब की एक ही मांग थी- इस्लाम मजहब को स्वीकार करो। वह गुरु तेग बहादुर जी से भी यही मांग कर रहा था। उसको लगता था गुरु जी इस्लाम में आ जाएंगे तो शेष भारतीयों को मतांतरित करना आसान हो जाएगा। वह अब भी यही मान रहा था कि यदि शिवाजी महाराज का बेटा मुसलमान हो जाएगा तो दक्षिण के पठारों में तो इस्लाम का झंडा फहराने ही लगेगा। लेकिन संभाजी दृढ़ थे। औरंगजेब ने उसके नाखून निकलवा दिए, आंखें फोड़ दीं और अंत में उनकी जुबान काट दी। अंत में औरंगजेब ने संभाजी का सिर कटवा दिया। लेकिन औरंगजेब के भीतर का पशु इतने पर भी शांत नहीं हुआ। उसने संभाजी के शरीर के कई टुकड़े करवा कर नदी में फिंकवा दिए। औरंगजेब इसी को अपनी जीत समझ रहा था। लेकिन भारत भी अंगड़ाई ले रहा था। उसकी एक आहट सप्त सिंधु में सुनाई दे रही थी, जब दशम गुरु गोबिंद सिंह जी ने पुआध क्षेत्र में खालसा पंथ की स्थापना करके भारतीय इतिहास में एक नया अध्याय रच दिया। चमकौर की लड़ाई के बाद गुरु गोविंद सिंह जी ने औरंगजेब को जफरनामा यानी जीत की चिट्ठी लिखी। इस चिट्ठी ने औरंगजेब का काला चिट्ठा इतिहास में सुरक्षित कर दिया। 1707 में औरंगजेब अहमदनगर में सुपुर्दे खाक हो गया। उधर खालसा पंथ ने जम्मू कश्मीर के बंदा बहादुर के नेतृत्व में पश्चिमोत्तर भारत में मुगल साम्राज्य की नींव हिला दी। औरंगजेब की लाश पड़ी थी।

सुयोग

चिंतन-मनन

श्रीराम शर्मा आचार्य

कीचड़ में कमल उगना एक सुयोग है। आमतौर से उसमें गंदे कीड़े ही कुलबुलाते रहते हैं। जिन्होंने लोकप्रवाह में बहने के लिए आत्म समर्पण कर दिया। समझना चाहिए उनके लिए नर- पशु स्तर का जीवनयापन ही भाग्य विधान जैसा बन गया। वे खाते, सोते, पाप बटोरते और रोते- कलपते मौत के मुंह में चले जाते हैं। स्रष्टा ने मनुष्य जीवन का बहुमूल्य जीवन धरोहर के रूप में दिया था होना यह चाहिए था कि इस सुयोग का लाभ उठाकर अपनी अपूर्णता पूर्णता में बदली गई होती और विश्वमानव की सेवाझसाधना में संलग्न रहकर देवमानव की भूमिका में प्रवेश करके धन्य बना जाता। असंख्यों को सन्मार्ग में चलाकर सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन का अजस पुण्य कमाया गया होता। यह तो बन नहीं पड़ता, उल्टे पाप का पिटारा सिर पर लादकर लंबे भविष्य को अंधकारमय बनाया जाता है। सत्य परायणों और न्यायनिष्ठों को समय-समय पर दूसरों की सहायता भी मिलती रही है। इतिहास इसका साक्षी है। यदि ऐसा न हुआ होता तो बहुसंख्यक कुकर्मियों ने इस संसार की समूची शालीनता का भक्षण कर लिया होता। सत्यनिष्ठ एकाकी होने के कारण सर्वत्र पराजित- पराभूत हो गए होते किंतु ऐसा हुआ नहीं। प्रह्लाद पथ के अनुयायी कष्ट सहकर भी अपनी विजय ध्वजा फहराते हैं। ईसा मरकर भी मरे नहीं, सुकरात की काया नष्ट होने पर भी उसका यश, वर्चस्व और दर्शन अपेक्षाकृत और भी प्रखर हुआ, व्यापक बना। गोवर्धन पर्वत उठाए जाने का संकल्प आरम्भ में असंभव लगता रहा होगा। पर समय ने सदुद्देश्य का साथ दिया और सत्संकल्प ने विजय दुंदुभी बजाई। अपराधी प्रवृत्ति एक प्रकार की छूत वाली बीमारी है जो पहले परिवार के नवोदित सदस्यों पर आक्रमण करती है। कुकर्मी लोगों की संतानें भी अनैतिक कार्यों में ही रुचि लेती हैं और उन्हीं की अभ्यस्त बनती हैं। इसके अतिरिक्त ऐसा भी होता है कि जिनके साथ उनकी घनिष्ठता है, उन्हें भी उसी पतन के गर्त में गिरने का कुयोग बने। ऐसे लोग प्रयत्नपूर्वक अपना संपर्क क्षेत्र बढ़ाते हैं। आरम्भ में हिचकने वालों की हिम्मत बढ़ाने के लिए कितने ही इस आधार पर बड़े लाभ प्राप्त कर लेने के मनगढ़ंत वृतांत सुनाते हैं। जिन्हें सच मानने और उस प्रकार का आचरण करने में अपनी भी उपयोगिता देखकर सहज ही तैयार हो जाते हैं।

आपके पत्र

वन हैं तो हम हैं

21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। दुनिया भर में इस उपलक्ष्य में प्रोग्राम आयोजित किए गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वनों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 28 नवंबर 2012 को हर वर्ष 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के रूप में मनाने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। वन हैं तो हम हैं। जो वृक्ष हमें फल नहीं देते हैं, वो भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि ये हमें जीवित रहने के लिए ऑक्सीजन, बिना किसी मूल्य के देते हैं। लेकिन बहुत अफसोस है कि वनों की संभाल के लिए लापरवाही बरती जा रही है।

भारत में बहुत पहले से ही वनों और वृक्षों को काटने से रोकने के प्रयास सरकारों, सामाजिक संस्थाओं और पर्यावरण प्रेमियों द्वारा आरंभ कर दिए गए थे। फिर भी परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर जंगल काटे जा रहे हैं। हमें इसे रोकना होगा।

आरती मिश्रा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** **www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

क्रांति की अखंड ज्वाला में समाकर आजादी का सम्मान

साहिबगंज : जिला टमटम स्टैंड कॉलेज रोड विर भगत सिंह राजगुरु, सुखदेव शहीदों का नमन किया गया।1 मिनट का मोन व्रत रखा गया ।जवान सिपाही के साथ भारत की आजादी के लिए कई वीरों ने बलिदान दिया क्रांति की अखंड ज्वाला में समाकर आजादी का सम्मान किया ।हिंदू क्रांति संध साहिबगंज जिला अध्यक्ष सन्नी के द्वारा एक दिया सहिद के नाम को लेकर मां काली मंदिर के सामने मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दिया गया ।इस संदर्भ में हिंदू क्रांति सेना के जिला अध्यक्ष श्री सन्नी ने कहा की देश की आजादी में अपना प्राण देने के बाद आजादी का दिलाए थे। शहीद दिवस मनाने में किसी राजनीति पार्टी ना ही कोई पदाधिकारी नजर नहीं आऐ है। इस अवसर पर प्रीश सिंह, रवि तांती रौनक मोदी सहित कई पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

12 वीं झारखंड राज्य स्तरीय कबड्डी धनबाद में जिले की बालिका टीम तीसरे स्थान पर जीता कांस्य पदक

साहिबगंज : कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड एवम धनबाद कबड्डी संघ द्वारा धनबाद में 22 से 23 मार्च तक संपन्न दो दिवसीय 12वीं झारखंड राज्य सब जूनियर बालक एश व बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में साहिबगंज जिले की बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे स्थान पर रहकर कांस्य पदक जीता।
ज्ञात हो इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिलों की टीम भाग ले रही थी। जिले की टीम ने लोहरदगा, गिरीडीह जैसी मजबूत टीमों को पराजित किया । विजेता टीमों को विधायक श्री मथुरा महतो ने पुरस्कृत किया । इस उपलब्धि पर उपायुक्त हेमंत सती ,जिला खेल पदाधिकारी पंकज कुमार झा,जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा,जिला ओलंपिक संघ के राजेश यादव, कल्याण श्रीवास्तव,माधव चंद्र घोष,संतोष उर्फ टिंकू,जिला कबड्डी संघ के सोनू
खेल शिक्षक बिरेंद्र कुमार, आदित्य कुमार, अरुण कुमार, बमबम कुमार, सोनेलाल, दीपक कुमार, सरिता कुमारी मनोज कुमार,कोच योगेश यादव,अशोक साहनी,प्रकाश सिंह बादल,निमाई चौधरी,गौरव झा समेत जिले वासियों ने बेहतर प्रदर्शन हेतु बधाई दी ।

दावत ए इफ्तार पार्टी का भव्य आयोजन

साहिबगंज : शहर के चौधरी कौलोनी स्थित होटल अभिनवश्री में कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सह झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य अनुकूल चन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में दावत ए इफ्तार पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर रोजदारों ने इस अवसर पर देश की तरक्की अमन-ओ-चैन और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगी ।इस दौरान कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अनुकूल मिश्रा ने कहा कि इफ्तार पार्टी का उद्देश्य सिर्फ रोजा खोलना नहीं,बल्कि एकता और भाईचारे को मजबूत करना है ।समाज में अमन-चैन बनाए रखना और जरूरतमंदों की मदद करना हम सबकी जिम्मेदारी है ।वही कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बरकत खान ने संगठन में एकता और परोपकार की भावना का महत्व बताते हुए कहा कि समाज की तरक्की तभी संभव है जब हम सब मिलकर एक-दूसरे का सहयोग करें ।हमें इसी भावना को और मजबूत करना चाहिए,ताकि समाज में समरसता बनी रहे ।इस अवसर पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बरकत खान,रंजीत टुडू,कांग्रेस नेता मुर्शद अली,विमल भगत,अशोक पासवान,सुनील पासवान,परवेज आलम,मो रहीम,मो सद्दाम हुसैन,संतोष झा,शशांक शेखर गुहा,राजेश सिंह,सुभाष कुमार,लाल बाबू,रंजीत सिंह,सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

संगठन मजबूती और आंदोलन की रूप रेखा तैयार करने को लेकर चर्चा

साहिबगंज/तीनपहाड़ : झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक केंद्रीय कार्यालय बाकुडी में केंद्रीय समिति अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में हुई ।बैठक में संगठन मजबूती और आंदोलन की रूप रेखा तैयार करने को लेकर चर्चा किया गया ।बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहां की संगठन को मजबूती से चलने के लिए अनुशासन में रहकर संघ के नियमों को पालन करते हुए प्रत्येक सदस्य को 5 सदस्य को जोड़ना अति आवश्यक है ।उन्होंने राज्य में मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी, शिक्षा,स्वास्थ्य,रोजगार,प्रवासी मजदूर पलायन,किसानों की समस्या,बालू की बिक्री बिना चालान पर रोक लगाना ।कन्यादान योजना के बारे में चर्चा,जिला मुख्यालय में अनुसूचित बालिका के लिए आवसीय विद्यालय खोलना10 लाख तक की विकास योजना को लेकर ग्राम सभा के द्वारा लाभुक समिति के कार्यों का निष्पादन होने पर आदि कई मांगों को लेकर बातें हुई ।मौके पर बबलू भगत,रविकांत ठाकुर,फूल कुमारी देवी,गणेश ठाकुर,रवि घोष,अजय कुमार रजक,मिथुन कुमार यादव,मोहम्मद इमाम विश्वास,सकल मरांडी,मोहम्मद जावेद अख्तर सहित कई लोग शामिल थे।

चमरडीहा में श्री रामनवमी पूजा समिति का गठन

बरवाडीह : बरवाडीह के चमरडीहा श्री हनुमान मंदिर में श्री रामनवमी पूजा धूमधाम से मनाने के लिए ग्रामीणों की बैठक हुई। अध्यक्षता पूर्व एसएलआई रामचन्द्र राम ने की। बैठक में श्री रामनवमी पूजा समिति का गठन किया गया। इसमे सर्व सम्मति से रामचन्द्र राम को सभापति, पारसनाथ राम को संरक्षक, नितिन अग्रवाल को अध्यक्ष, निरंजन साव को उपाध्यक्ष, विनोद कुमार को सचिव,अमन अग्रवाल को सह सचिव, संटू कुमार को कोषाध्यक्ष और सुरेश साव को भण्डारपाल बनाया गया है। वहीं विष्णु राम,मुन्नी लाल,भगवान दास,रौशन कुमार,सुरेंद्र प्रसाद,कुंदन कुमार,विक्की,रविन्द्र कुमार,शंकर कुमार आदि लोग पूजा समिति के सदस्य नियुक्त किये गए हैं। बैठक में पिछले साल की पूजा के आय -व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए रामनवमी पर भव्य जुलूस निकालने का निर्णय लिया गया। पूजा समिति के अध्यक्ष नितिन अग्रवाल ने सभी सदस्यों से श्री रामनवमी पूजा को सफल बनाने की तैयारी में जुट जाने की अपील की है।

केचकी के ट्रैक मेंटेनर बिनोद यादव जीएम अवार्ड से सम्मानित

बेतला : पूर्व मध्य रेलवे द्वारा गत 21 मार्च को बिहार के हाजीपुर जोन स्थित वैशाली रेल प्रेक्षागृह में आयोजित 69 वें रेल सप्ताह समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए केचकी के रेलकर्मी बिनोद कुमार यादव (ट्रैक मेंटेनर) को महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने प्रशस्ति पत्र और जीएम अवार्ड देकर सम्मानित किया। धनबाद डिविजन के एकमात्र ट्रैक मेंटेनर को जीएम अवार्ड से सम्मानित होने पर केचकी के रेलकर्मियों और आसपास के लोगों ने खुशियों का जहां इजहार किया, वहीं पुरस्कृत और सम्मानित रेलकर्मी बिनोद यादव को हार्दिक बधाई दी ।बधाई देनेवालों में केचकी एसएम मनीष केरकेट्टा, प्रमोद कुमार, टिकट बुकिंग प्रभारी उमाशंकर दयाल,समाजसेवी फौजदार सिंह, लोकनाथ सिंह, हजारी सिंह, हरेराम सिंह, उदयशंकर आदि के नाम शामिल हैं।

लोगों के स्वास्थ्य को लेकर देश प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है : डॉ किरणमाला

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज: जिला सदर अस्पताल के प्रांगण में विश्व यक्ष्मा दिवस पर सिविल सर्जन के द्वारा सोमवार की सबह 10:30 बजे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस संबंध में डॉ किरणमाला के द्वारा लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश ने हाल ही में स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है ।भारत को अब पोलियो मुक्त देश घोषित कर दिया गया है ।हमने माता और नवजात शिशु में टेटनेस के उन्मूलन के लक्ष्य को भी हासिल कर लिया फिर भी इस समय लोगों के स्वास्थ्य को लेकर हमारे देश के प्रगति के रास्ते में कुछ बढ़े हैं ।जिनमें टीवी बीमारी एक प्रमुख जन स्वास्थ्य से जुड़ी बड़ी समस्या में से एक है ।टीवी ने केवल एक क्लीनिक का रोग है। आपत्ती इसकी सामाजिक और आर्थिक जटिल बताएं भी टीवी के मरीज से भेदभाव किया जाता है ।जिससे प्रभावित व्यक्तियों को वित्त एवं सामाजिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। टीवी मुक्त भारत के लक्ष्य का मार्ग अनेक चुनौतियों से भरा है ।देश के संसद सदस्य और विधानसभा के सदस्य पंचायत सदस्य हमारे सभी समाज और क्षेत्र में प्रतिनिधित्व करते हैं। टीवी की समस्याओं को दूर करने में उनकी भागीदारी अहम भूमिका अदा करेगी ।चयनित जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से टीवी के सामाजिक भेदभाव को दूर करने में बढ़ावा मिलेगा और टीवी से ग्रसित व्यक्तियों को समाधि सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी एमपी,एमएलए और

पंचायत अपने चुनाव क्षेत्र में टीवी मुक्त बनाने व निश्चय मित्र के रूप में शपथ लेकर टीवी के विरुद्ध लड़ाई में देश की सहायता कर सकते हैं ।साथ ही वर्ष 2030 तक टीवी खत्म करने की वेबसाइट लक्ष्य के निरंतर विकास लक्ष्य को 5 वर्ष पहले ही वर्ष 2050 तक प्राप्त करने में अपना योगदान दे सकते हैं। भारत में विश्व के कुल टीवी रोगियों का 26 प्रतिशत है टीवी पर वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भारत में टीवी की अनुमानित व्याप्ताह वर्ष 2000 में प्राप्त प्रति लाख 289 थी। जो वर्ष 2017 में गिरकर प्रति लाख जनसंख्या पर 204 रह गई है ।भारत में प्रतिवर्ष टीवी नए मामलों की अनुमति संख्या 27.4 लाख है ।जो की कुल संख्या के हिसाब से विश्व में सर्वाधिक है भारत सरकार भारत से टीवी को वर्ष 2025 तक खत्म करने की प्रति व्यक्ति, टीसीएचभी इस अवसर पर सेवास्टनतन हेम्बम बरहरवा, किरणमाला यक्ष्मा पदाधिकारी, सिविल सर्जन प्रवीण कुमार संथालीया,सहीया,जिला कार्यक्रम शिन-चैन पांणडे,सहित सभी प्रखंड के यक्ष्मा कर्मी उपस्थित थी।

नेहरू युवा केंद्र माई भारत ने शहीद दिवस का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अधीन नेहरू युवा केंद्र माय भारत के द्वारा साहिबगंज में भगत सिंह चौक पर शहीद दिवस मनाया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षक रविकांत तांती,पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक कौशर अंसारी और चंदन कुमार उपस्थित हुए ।कार्यक्रम की शुरूआत शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर किया गया ।कार्यक्रम में उपस्थित कौशर अंसारी ने बताया कि शहीद दिवस हर वर्ष 23 मार्च को इसलिए मनाया जाता है क्योंकि 1931 में इसी दिन भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को अंग्रेजी हुकूमत ने फांसी दी थी.देश में तीनों वीर सपूतों का बलिदान प्रेरणास्त्रोत के रूप में देखा जाता है ।शिक्षक रविकांत तांती ने बताया कि शहीद दिवस का ऐतिहासिक महत्व बहुत अधिक है क्योंकि यह भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की शहादत का प्रतीक है जो हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के प्रमुख सदस्य थे. उनकी शहादत की यात्रा में कई उल्लेखनीय घटनाएं शामिल थीं और यही वजह थी कि 1931 में इसी दिन भगत सिंह,सुखदेव और राजगुरु को अंग्रेजी हुकूमत ने फांसी दी थी.तब से 23 मार्च को शहीद दिवस मनाया जाता है और इस दिन उनके बलिदान को याद किया जाता है ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चंदन कुमार ने बताया कि 23 मार्च 1931 को भगत सिंह,राजगुरु और सुखदेव को अंग्रेजों ने फांसी दी थी। हालांकि उन्हें फांसी देने की तारीख एक दिन बाद की थी लेकिन अंग्रेजी हुकूमत देशवासियों के आक्रोश से खौफजदा थी,इसलिए चुपके से एक रात पहले ही उन्हें फांसी के फंदे से लटका दिया गया ।देश के वीर सपूतों ने भी हंसते -हंसते अपनी जान भारत के नान कर दी ।उनकी पुण्यतिथि पर शहीदों को नमन किया जाता है और श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है ।इस शहीद दिवस के मौके पर शहीद भगत सिंह,राजगुरु और सुखदेव के साथ हर क्रांतिकारी और भारतीय सैनिकों को सम्मान देते हुए उन्हें सलाम करें ।इस कार्यक्रम में अभिषेक, नीरज, दर्पण, पीयूष, सुलेंद्र, मोहित, अमित, रोहित, अंकित गुड़िया, चांदनी, रेणु, प्रियंका, रानी, नीलू, मौसमी, सुहानी, तमन्ना, रिया, प्रिया, रागिनी, नेहा, खुशबू आदि के साथ दर्जनों बच्चियां उपस्थित हुए।

पारा शिक्षक प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर आसीन हैं और विभाग मौन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय लखीपुर में लगभग 7- 8 महीने से श्री ओम प्रकाश सरकार पारा शिक्षक पदभार लिए हुए हैं जबकि उक्त स्कूल में दो सरकारी शिक्षक कार्यरत है एक 1 से 5 दूसरा 6 से 8 उसके बाद भी पारा शिक्षक प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर रहना कहीं ना कहीं भ्रष्टाचार को परिलक्षित करता है ।क्योंकि किसी भी नियम से सरकारी शिक्षक रहते हुए पारा शिक्षक प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर नहीं रहा सकता है ।उक्त जानकारी समाजिक कार्यकर्ता श्री संत कुमार घोष ने साहिबगंज उपायुक्त साहिबगंज को लिखित आवेदन देकर किया ।कहा कि इससे स्पष्ट और साफ दिखाई देता है। कि उक्त स्कूल में प्रभारी प्रधानाध्यापक पारा शिक्षक ओम प्रकाश सरकार विद्यालय में भ्रष्टाचार करने हेतु कुंजी आपने पास पारा प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद बने हुए हैं ।प्रभारी प्रधानाध्यापक पद छोड़ना नहीं चाहता है और विभाग का मौन समर्थन प्राप्त है,ऐसा प्रतीत होता है ।सम्पूर्ण जानकारी जिला शिक्षा अधीक्षक साहिबगंज को स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा लिखित आवेदन दिया गया था ।ग्रामीण आवेदन देने के बाद भी कोई कारवाई नहीं हुई इसे साफ और स्पष्ट प्रतित होता है कि विभाग कि मिलीभगत से ऐसा खेल चल रहा है ।उन्होंने उपायुक्त से मांग किया कि यथाशीघ्र स्वयं जांच कर कार्रवाई करें।

कल्याण विभाग के आवासीय विद्यालयों में नामांकन के लिए मौखिक परीक्षा

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025- 26 के लिए कक्षा 1 से 5 तक की रिक्त सीटों पर नामांकन के लिए मौखिक परीक्षा का आयोजन 23 मार्च 2025 रविवार को किया गया। यह परीक्षा संध्यामहाविद्यालय और राजस्थान महाविद्यालय में संपन्न हुई ।परीक्षा में जिला से आए सैकड़ों अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जिला परियोजना निदेशक, आईटीडीए, संजय कुमार दास ने बताया कि जिला में 12 अनुसूचित जनजातीय आवासीय विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025- 26 में वर्ग प्रथम से पंचम तक नांमकन के लिए आयोजित मौखिक परीक्षा में संध्या महाविद्यालय साहिबगंज में 944 छात्र-छात्राएं एवं राजस्थान इंटर विद्यालय

साहिबगंज में 298 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुई। उन्होंने बताया कि मौखिक परीक्षा के माध्यम से छात्रों की बौद्धिक क्षमता, अभिव्यक्ति कौशल और सामान्य ज्ञान का मूल्यांकन किया गया ।उन्होंने बताया कि परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से किया गया और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। चयनित विद्यार्थियों की सूची विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जल्द ही प्रकाशित की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाना है ।आईटीडीए पदाधिकारी ने बताया कि मौखिक परीक्षा के लिए दोनों केंद्र पर जिला स्तर के विभिन्न विद्यालयों से कुल 36 शिक्षक लिपिक बीआरपी एवं सीआरपी को प्रतिनियुक्ति किया गया था। साथ ही दोनों केंद्र पर 12 जिला स्तरीय पदाधिकारी नोडल पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति थे। परीक्षा पूर्ण रूपेण शांतिपूर्ण संपन्न हुई।

रहमतों और बरकतों की रात में इबादत में डूबे रोजेदार

साहिबगंज/उधवा : रहमतों और बरकतों से भरपूर यह महीना अपने अंतिम अशरे की ओर बढ़ रहा है। रोजेदार अल्लाह की इबादत में डूबे हुए हैं और इस पाक महीने के हर लम्हे को कीमती बना रहे हैं। रोजेदार दिन भर भूखे-प्यासे रहकर अल्लाह की रजा के लिए रोजा रखते हैं और शाम को इफ्तार के समय खजूर और पानी से अपना रोजा खोलते हैं। इफ्तार के बाद तरावीह की नमाज अदा की जाती है, जिसमें कुरान शरीफ की तिलावत की जाती है। सहरी के समय रोजेदार सुबह का खाना खाते हैं और दिन भर के रोजे के लिए खुद को तैयार करते हैं। रमजान का महीना सिर्फ भूखे-प्यासे रहने का महीना नहीं है, बल्कि यह आत्म-संयम, त्याग और अल्लाह के प्रति समर्पण का महीना है। इस महीने में रोजेदार अपने गुनाहों से तौबा करते हैं और अल्लाह से माफी मांगते हैं। यह महीना हमें गरीबों और जरूरतमंदों के प्रति सहानुभूति रखने और उनकी मदद करने की सीख भी देता है।
आज 23 वां रोजा है, और रमजान का तीसरा अशरा चल रहा है ।यह अशरा जहन्नम की आग से निजात का अशरा है ।इस अशरे में शब-ए-कद्र की रात भी आती है, जो हजार रातों से अफजल है ।रोजेदार इस अशरे में ज्यादा से ज्यादा इबादत करते हैं और

अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं ।इस अशरे में गरीबों और जरूरतमंदों को दान-पुण्य करना भी बहुत सवाब का काम है।
मुस्लिम धर्मावलंबियों की माने तो रमजान के महीने में कुरान नाजिल हुआ था। मुसलमानों के लिए रमजान का महीना बहुत पाक और मुकद्दस होता है क्योंकि इसी महीने में अल्लाह ने पैगंबर हजरत मुहम्मद के जरिए कुरान जैसी पाक किताब नाजिल की थी ।कुरान का नाजिल होना एक बहुत पाक घटना है। मुसलमानों के लिए रमजान का महीना बहुत खास होता है। माना जाता है कि रमजान के महीने में जन्नत के दरवाजे खुल जाते हैं ।अल्लाह रोजेदार और इबादत करने वाले की दुआ कुबूल करता है ।इस पवित्र महीने में गुनाहों से बख्शीश मिलती है।

आदिम जनजाति पहाडिया गांव में संक्रमण फैलने से पांच बच्चों की मौत

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/मंडरो : मंडरो प्रखंड क्षेत्र के बसहा पंचायत के नगर भीठा आदिमजनजाति गांव में सप्ताह पूर्व फैली बिमारी से अब तक पांच बच्चे की मौत हो गई है। दर्जनों भर बच्चे,युवक बिमारी से ग्रसित हैं। गांव में कुल आबादी लगभग 200 से है। रविवार को नगर भीठा ग्राम प्रधान ने घटियारी गांव के झामुमो कार्यकर्ता को इसकी जानकारी दी दूरभाष पर बायरल किया गया ।वहीं इसकी जानकारी उपायुक्त को टेलीफोनीक पर गांव के बीमारी के बारे में बताते स्वास्थ्य टीम को नगरभीठा गांव भेजा गया। जहां बिमार बच्चे की टीम रक्त संकलन किया गया एवं प्रार्थमिक उपचार करना प्रारंभ किया गया है, वहीं सीएच ओ ने बताया कि इसे जांच के लिए दुमका भेजा जाएगा अभी दवा दिया जा रहा है। बिमारी से मौत हुए बच्चे जीता पहाड़िया पिता चांदु पहाड़िया,दो वर्ष 12 मार्च, विकास पहाड़िया पिता असना पहाड़िया पांच वर्ष 19मार्च,बेफरे पहाड़िया पिता गुल्ली पहाड़िया चार वर्ष 20 मार्च, एतवारी पहाड़िया पिता बिजु पहाड़िया दो वर्ष मार्च,सजनी पहाड़िन पिता सोमरा पहाड़िया तीन वर्ष मौत रविवार के सुबह होने के बाद ही गांव के लोग हरकत आए एवं पहाड़ से उतरकर घटियारी गांव के लोगों को जानकारी दी गांव में बिमार बच्चे एवं लोग जिनकी इलाज टीम कैंप कर कर रही है ।रुती पहाड़ियन छ वर्ष, दिनेश पहाड़िया तीन वर्ष,अरुण पहाड़िया चार वर्ष,मीना पहाड़िया पांच वर्ष,जोनी पहाड़िन दो वर्ष, दानियाल पहाड़िया पांच वर्ष, मनोज पहाड़िया आठ वर्ष,गुलाबी पहाड़िया आठ वर्ष,पति पहाड़िया 20वर्ष,चुनी पहाड़िन 27वर्ष , सहित दर्जन भर बच्चे एवं युवक बिमार है ।बिमारी की लक्षण सर दर्द,शरीर गर्म होना उलटी होना,पतला पीला पैखाना होना एवं बेहोश होने पर मौत हो जाती है ।वहीं स्वास्थ्य टीम ने 32 महिला पुरुष एवं बच्चे की रक्त संकलन कर दुमका भेजने की बात कही गई है ।स्वास्थ्य टीम में सीएच ओ रवि कुमार जटाव नितिन चतुवेर्दी, बीपीएम अमन भारती, एमपी डब्ल्यू दीनेश कुमार डोमन मंडल, शांतीलाल हेंब्रम।

सलमान ने रश्मिका से उम्र की तुलना पर कसा तंज बोले-'हम तो उनकी बेटी के साथ भी काम करेंगे'

बॉलीवुड के भाईजान यानि सलमान खान इस समय फिल्म 'सिकंदर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह 31 साल छोटी एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना संग रोमांस करेंगे। दोनों की उम्र के अंतर को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था कि एक्टर अपनी उम्र से 31 साल छोटी एक्ट्रेस संग रोमांस कर रहे हैं। अब भाईजान ने इस मूवी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर इस बारे में रिएक्ट किया। उन्होंन ट्रोल्स की बोलती बंद कराते हुए ये तक कह दिया है कि वह एक्ट्रेस की बेटी संग भी काम करेंगे।

सलमान खान ने कहा- 'जब हीरोइन को कोई दिक्कत नहीं है, हीरोइन के पापा को प्राब्लम नहीं है तो तुमको क्यों है भाई? जब इनकी शादी हो जाएगी, बच्ची हो जाएगी, बड़ी स्टार हो जाएगी तो उनके साथ भी काम करेंगे ना। मम्मी का परमिशन तो मिल ही जाएगा।'

इसके अलावा एक्टर ने एक्ट्रेस के डेडिकेशन की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि रश्मिका जिस लगन से काम करती हैं उसे देख उन्हें अपना बचपन याद आ जाता है। 'रश्मिका पुष्पा 2 की शूटिंग शाम 7 बजे तक करतीं। फिर रात 9 बजे सिकंदर के सेट पर आतीं और सुबह 6:30 बजे तक हमारे साथ शूटिंग करतीं और फिर पुष्पा के सेट पर चली जातीं। वह ठीक भी नहीं थीं। पैट टूटने के बाद भी शूटिंग जारी रखी थी। एक भी दिन शूटिग कैंसिल नहीं की। कई मायनों में वह मुझे अपने बचपन की याद दिलाती हैं।'

बता दें कि सलमान खान की 'सिकंदर' 30 मार्च को थिएटर्स में आएगी। एआर मुरुगादॉस की डायरेक्टेड फिल्म से फैंस को काफी उम्मीद है हालांकि ट्रेलर को तो लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है।

बिलासपुर में अंतरराष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता का आगाज, देश-विदेश के पायलट बने हिस्सा

बिलासपुरः बिलासपुर के बंदला में सीएटी ग्रेड-2 अंतरराष्ट्रीय स्तर की पैराग्लाइडिंग चैंपियनशिप का रविवार को आगाज हुआ। प्रतियोगिता के शुभारंभ मौके पर स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। मुख्यातिथि ने अंतराष्ट्रीय चैपिंयनशिप का शुभारंभ किया। चैंपियनशिप में एयरफोर्स सहित अन्य देशों के पायलट भाग ले रहे हैं। पायलट ने पैराग्लाइडिंग साइट बंदला से उड़ान भरी। वहीं, यह फ्लाइट करने के बाद पायलट गोबिंदसागर झील किनारे लैंड कर रहे हैं। 27 मार्च तक अंतरराष्ट्रीय पैराग्लाडिंग चैपिंयनशिप का आयोजन किया जाएगा। ईराक, श्रीलंका, यूएई, नेपाल, कजाकिस्तान, साउथ कोरिया, सऊदी अरब और मंगोलिया के पायलट ने प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण करवाया हुआ है।

बंदला पैराग्लाइडिंग साइट विश्व की तीन मुख्य एक्रो साइट में से एक है। एक्रो पैराग्लाइडिंग में पायलट आसमान में पैराग्लाइडर के साथ कई तरह के करतब करते हैं। साइट से टेकऑफ करने के बाद पायलट झील के ऊपर कई तरह की अठखेलियां करते हैं। गोबिंदसागर झील होने के चलते यह साइट एक्रो के लिए सबसे बेहतर है।

विजेता को आकर्षक इनामः अंतरराष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग चैंपियनशिप दो वर्गों में होगी। इसमें व्यक्तिगत ओवरऑल पैराग्लाइडिंग और टीम ओवरऑल पैराग्लाइडिंग इवेंट होंगे। दोनों वर्गों में पहले स्थान के लिए एक लाख, दूसरे स्थान के लिए 75 हजार और तीसरे स्थान के लिए 50 हजार रुपए ईनाम राशि दी जाएगी। चैंपियनशिप में इंटरनेशनल जज कजाकिस्तान से बिलासपुर पहुंचे हैं।

सुशांत डेथ केस में रिया चक्रवर्ती को क्लीनचिट

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के चार साल छह महीने बाद सीबीआई ने इस मामले पर क्लोजिंग रिपोर्ट दे दी है। सीबीआई ने इन्वेस्टिगेशन में पाया कि सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाए जाने से जुड़े कोई सबूत नहीं मिले हैं। उन्हें इस मामले में क्लीन चिट दी गई है। अब रिया चक्रवर्ती के भाई शौविक ने न्याय मिलने पर खुशी जाहिर की है। शौविक ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से बहन रिया के साथ एक वीडियो शेयर किया है।

इस ब्लैक एंड व्हाइट वीडियो के साथ उन्होंने लिखा है कि सत्यमेव जयते। गौर हो कि 14 जून, 2020 को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का शव उनके बांद्रा स्थित घर में मिला था। इस मामले में पुलिस ने उनकी तथाकथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को हिरासत में लिया था।

सिकंदर में दिखा रश्मिका मंदाना का रोमांटिक अंदाज

एआर मुरुगादॉस की डायरेक्टेड और सलमान खान, रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म सिकंदर का ट्रेलर जारी हो गया है। 30 मार्च को आने वाली इस फिल्म को लेकर फैंस बेहद एक्साइटेड हैं। एक्शन और रोमांस से भरपूर इस मूवी में भाईजान अपने डैशिंग अवतार से दर्शकों को दिल जीत रहे हैं। तीन मिनट 27 सेकंड के ट्रेलर में सलमान खान देश के मसीहा बने हैं। वह लोगों की मदद कर रहे हैं।

भ्रष्ट लोगों को रास्ते से हटा रहे हैं। ट्रेलर में रश्मिका का रोमांटिक अंदाज है। ट्रेलर देखकर ऐसा लगता है कि रश्मिका मंदाना की मौत के बाद सलमान का किरदार वायलेंट बन जाता है।

साजिद नाडियाडवाला की सलमान खान स्टारर सिकंदर का दमदार ट्रेलर हुआ रिलीज

सलमान खान की मच-अवेटेड एक्शन थ्रिलर सिकंदर का धमाकेदार ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, और ये बिल्कुल वैसा ही है जैसा फैंस उम्मीद कर रहे थे, बल्कि उससे भी ज्यादा! डायरेक्टर ए.आर. मुरुगदॉस और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला की ये फिल्म पूरी तरह से एक ग्रैंड स्पेक्टेकल लग रही है, जो दर्शकों को सीट से बांधे रखने वाली है। 3 मिनट 39 सेकंड के इस ट्रेलर में सलमान खान सिकंदर के रोल में नजर आ रहे हैं, जो एक मिशन पर निकला ऐसा शख्स, जिससे दुश्मनों का बच पाना नामुमकिन लगता है और यही चीज इस फिल्म को एक जबरदस्त सिनेमैटिक एक्सपीरियंस बनाने का वादा करती है।

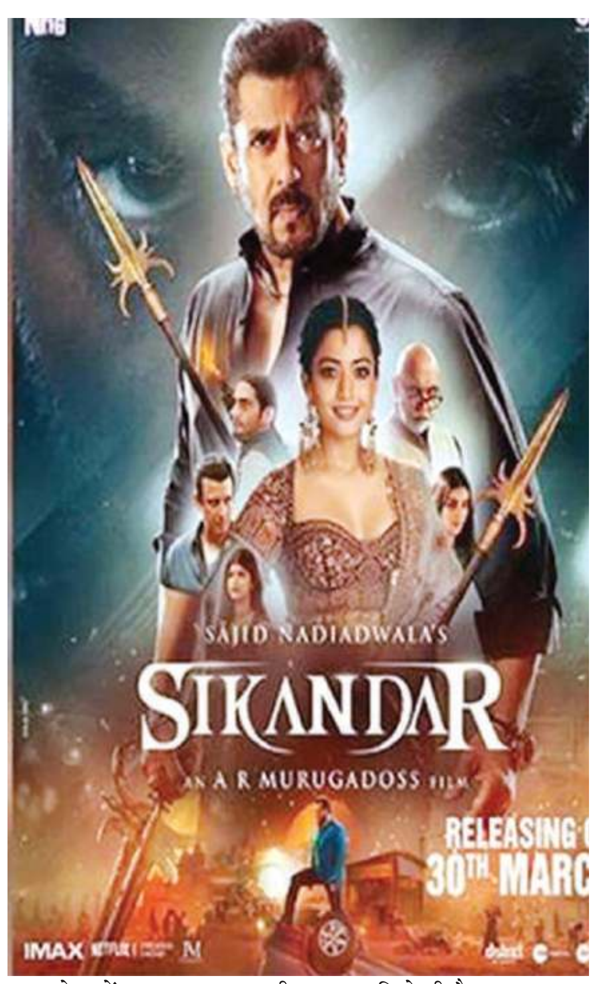

ट्रेलर की शुरूआत से ही दमदार एक्शन सीक्वेंस, जबरदस्त डायलॉग्स और रंगीन डांस नंबर्स पूरी तरह से ध्यान खींच लेते हैं। लेकिन सिकंदर में असली शो स्टीलर सलमान खान ही हैं। अपनी करिश्माई और दमदार स्टाइल के लिए मशहूर सलमान इस फिल्म में कुछ नया लेकर आए हैं। चाहे एक्शन सीन में उनकी आंखों की इंटेंसिटी हो या इमोशनल मोमेंट्स में उनका स्वैग, हर फ्रेम में सलमान खान की मौजूदगी स्क्रीन पर अलग ही चमक बिखेरती है।

सिकंदर में सलमान खान का अंदाज जितना रॉ है, उतना ही पावरफुल भी। उनका ट्रेडमार्क लार्जर-देन-लाइफ स्वैग इस किरदार में बदले की आग, प्यार और इंसाफ की लड़ाई के साथ पूरी तरह घुलता नजर आता है। फैंस के लिए ये किसी ट्रीट से कम नहीं, क्योंकि ट्रेलर में ऐसे जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलते हैं, जो सलमान की डेडिकेशन को साबित करते हैं। ट्रेलर एकदम परफेक्ट बैलेंस दिखाता है, जहां हाई-स्टेक ड्रामा है, दिल छू लेने वाले इमोशंस हैं और धुआंधार एक्शन है। सलमान खान अपने हर अवतार में छा गए हैं–चाहे वो ग्रिटी वन-लाइनर्स हों या इंटेंस फाइट सीन्स, हर सीन में वो फुल ऑफर्स में नजर आते हैं। ये ट्रेलर साफ-साफ बता देता है कि सिकंदर एक मास एंटरटेनर है, जो बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाला है। वहीं, रश्मिका मंदाना भी ट्रेलर में पूरी तरह छा गई हैं। उनकी एफर्टलेस चार्म और स्क्रीन प्रेजेंस जबरदस्त है, जो हर सीन में ध्यान खींच लेती है। खूबसूरत विजुअल्स के साथ उनकी नैचुरल ब्यूटी इस फिल्म में अलग ही ग्लो लाती है। वो अपने किरदार में गहराई लेकर आती हैं, जिससे फैंस के लिए उनका रोल और भी एक्साइटिंग बन जाता है।

सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर सिकंदर के नए गाने 'सिकंदर नाचे' का टीजर हुआ रिलीज

टैलेंटेड प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला, जो किक (2014) जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब सिकंदर के साथ एक और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनर लेकर आ रहे हैं। ट्रेलर देखकर साफ पता चलता है कि नाडियाडवाला की खासियत, कमर्शियल एलिमेंट्स को मास अपील के साथ बखूबी मिलाने की कला इस फिल्म में भी दमदार तरीके से नजर आ रही है। ट्रेलर में ऐसे कई विसल पोडू मोमेंट्स हैं, जो थिएटर में दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर देंगे। नाडियाडवाला का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड इस बात का गवाह है कि वो सिर्फ एंटरटेनमेंट ही नहीं, बल्कि ऐसी कहानियां भी देते हैं, जो दर्शकों के दिलों को छू जाती हैं। कैमरे के पीछे ए.आर. मुरुगदॉस, जो गजनी (2008) जैसी जबरदस्त फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, सिकंदर में भी अपना सिग्नेचर स्टाइल लेकर आए हैं। मुरुगदॉस को हाई-एनर्जी, इमोशनल नैरेटिव और दमदार एक्शन सीक्वेंस क्रिएट करने में मास्टर माना जाता है। ट्रेलर में भी उनकी वही खासियत दिखती है, जहां टेंशन से भरे ड्रामेटिक मोमेंट्स और इमोशन के साथ जबरदस्त एक्शन देखने को मिलता है। उनकी अनोखी फिल्ममेकिंग स्टाइल सिकंदर को एक इंटेंस और थ्रिलिंग राइड बनाती है, जो हर तरह के ऑडियंस को एंटरटेन करने वाली है। सिकंदर में फैमिली ड्रामा, रोमांस, एक्शन और सस्पेंस का जबरदस्त मिक्स है, जो हर तरह के दर्शकों को पसंद आने वाला है। सलमान की दमदार परफॉर्मेंस, साजिद नाडियाडवाला का मसाला एंटरटेनमेंट टच और ए.आर. मुरुगदॉस की हाई-इंटेंसिटी डायरेक्शन, ये तीनों मिलकर सिकंदर को ब्लॉकबस्टर बनाने का पूरा फॉमूर्ला तैयार कर चुके हैं। ईद 2025 पर बड़े पर्दे पर धमाका होने वाला है! सलमान खान एक बार फिर जबरदस्त अंदाज में लौट रहे हैं, उनके साथ होंगी खूबसूरत रश्मिका मंदाना। सिकंदर को प्रोड्यूस किया है विजनरी साजिद नाडियाडवाला ने और डायरेक्ट किया है मास्टर स्टोरीटेलर ए.आर. मुरुगदॉस ने। यह जबरदस्त फिल्म 30 मार्च 2025 को रिलीज होने जा रही है।

ये मेरे लिए आखिरी फ्रेंचाइजी, धोनी ने रिटायरमेंट पर खत्म किया सस्पेंस

चेन्नईः इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का यह 18वां सीजन कई दिग्गज खिलाड़ियों के लिए आखिरी टूर्नामेंट साबित हो सकता है। उसी में से एक नाम महान खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी का भी है। धोनी इस लीग के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। अपनी कप्तानी में उन्होंने सीएसके को पांच पर आईपीएल का खिताब दिलाया है। धोनी 43 साल के हो चुके हैं। पिछले दो सीजन से उनके रिटायरमेंट की खूब चर्चा हो रही थी, लेकिन इस बार माना जा रहा है कि उनके लिए यह आखिरी आईपीएल सीजन होगा। हालांकि, आईपीएल से रिटायरमेंट पर धोनी ने खुद ही सस्पेंस को खत्म कर दिया है। धोनी ने 18वें सीजन में मुंबई के खिलाफ मुकाबले से पहले अपने रिटायरमेंट पर खुलकर बात की और कहा कि उनके लिए सीएसके ही अब आखिरी फ्रेंचाइजी है। उनके इस बयान से साफ हो गया है कि धोनी पीली जर्सी में ही आईपीएल से रिटायरमेंट लेंगे।

बता दें कि धोनी को लेकर पिछले दो सीजन से उनके रिटायरमेंट पर माहौल बन रहा था। हालांकि, उन्होंने हर बार इस तरह की खबरों को खारिज किया। ऐसे में अब उन्होंने एक बार फिर से हिंट दिया है कि फिलहाल वह इस लीग से रिटायरमेंट लेने की नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं जब तक चाहूं सीएसके के लिए खेल सकता हूं। ये मेरी ही फ्रेंचाइजी है। मैं अगर व्हीलचेयर पर भी रहूंगा, तो सीएसके मुझे खींच कर ले जाएंगी

आईपीएल 2025

नए कप्तानों की अगवाई में अभियान शुरू करेंगे लखनऊ-दिल्ली

विशाखापत्तनमः दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीमें नए कप्तान की अगवाई में आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरूआत करने उतरेंगी। दिल्ली की कमान इस बार अक्षर पटेल संभालेंगे, जबकि लखनऊ की कप्तानी ऋषभ पंत करेंगे। पंत पहली बार दिल्ली कैपिटल्स के अलावा किसी अन्य टीम से खेलेंगे। उन्होंने पिछले सत्र में दिल्ली टीम की कमान संभाली थी, लेकिन उनके सामने अब लखनऊ का जिम्मा संभालने की चुनौती होगी। वहीं, केएल राहुल इस बार दिल्ली की जर्सी में नजर आएंगे।

राहुल इस बार विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे, क्योंकि उनके पास कप्तानी का अतिरिक्त जिम्मा नहीं होगा। भारतीय टीम के दो धुरंधरों राहुल और पंत अब क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगे। कागजों पर दिल्ली की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है क्योंकि उसके पास विदेशी और भारतीय खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है। लखनऊ को उम्मीद होगी कि उनके भारतीय खिलाड़ी विदेशी खिलाड़ियों के साथ अच्छी तरह से सामंजस्य बिठाएंगे।

झारखंड को दो रजत व तीन कॉस्य पदक

छत्तीसगढ़ : छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थिति इंडोर स्टेडियममे चल रहे खेलो इंडिया नेशनल वीमेन वुशू प्रतियोगिता का आज यहाँ सम्पन्न हो गयी। इस प्रतियोगिता मे भारत के विभिन्न राज्यों के चयनित महिला वुशू खिलाडो ने भाग लिया

झारखण्ड की तरफ से सात चयनित महिला वुशू खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेकर 2 रजत और 3 काँस्य पदक जीते।

झारखण्ड की तरफ से खेलते हुए गीता खलखो ने रजत, शीतल कुमारी ने रजत जबकि सुनीता गाड़ी, मीनू मुंडा और संजना कुमारी ने ने काँस्य पदक जीता।

आज इस प्रतियोगिता का विधिवत समापन हो गया इस अवसर पर वुशू एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट जीतेन्द्र सिंह बाजवा, सेक्रेटरी विजय सराफ सहित अन्य अतिथिगण उपस्थिति थे झारखण्ड के खिलाड़ियों की इस सफलता पर झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ प्रदीप वर्मा (राज्य सभा सांसद)सहित डॉ कविता सिंह, मिथलेश साहू, डॉ अंशु साहू,चंचल भट्टाचार्य, कुमुद प्रसाद साहू,उदय साहू, शैलेन्द्र कुमार, मनोज कुमार महतो, मनोज साहू, शशिकांत पांडे, रजि अहमद, गोकुलनंद मिश्रा, वाहिद अली, आजाद पाठक, शैलेन्द्र दुबे, रत्नेश कुमार, दीपक गोप, आशीष गोप, अमासी बारला, संजय मंडल, कार्तिक राम, दिनेश यादव, अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, प्रतिमा कुमारी, बिमला टोप्पो, सुशांति तोपनो, काजल किरण, मृतुन्जय कुमार राय, शिवेंद्र दुबे व अन्य ने बधाईया दी है।

न्यूज ब्रीफ

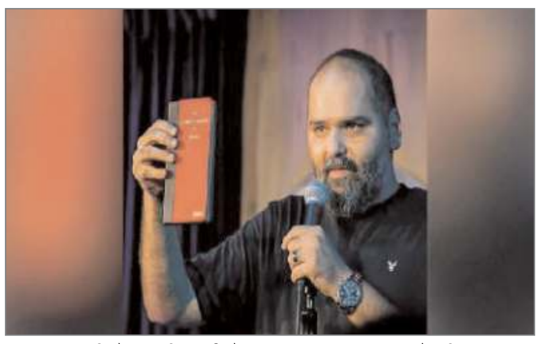

एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी के बाद कुणाल कामरा के खिलाफ एफआईआर, भड़के शिवसैनिकों ने की तोड़फोड़, कई हिरासत में

मुंबई: स्टैंड अप कामेडियन कुणाल कामरा के एक वीडियो पर विवाद हो गया है। कुणाल कामरा का ये वीडियो वायरल है। कॉमेडियन ने अपने सोशल मीडिया पर इसे शेयर किया, जिसमें उन्होंने एक गाना गाया है। दावा किया जा रहा है कि कामरा ने गाने में एकनाथ शिंदे पर अपमानजनक बाते कहीं है। वीडियो को संजय राउत ने शेयर किया है। इस बीच गाने पर शिवसेना शिंदे के समर्थक भड़क गए और उनके मुंबई स्टूडियो में जमकर तोड़फोड़ की है। उधर, मुंबई के टक्ळ्ळ पुलिस थाने में कामरा के खिलाफ ऋक्रक्र भी दर्ज करा दी गई है।

घटना के बाद कामरा ने एक्स (ट्विटर) पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वे संविधान की एक कॉपी पकड़े हुए हैं। कामरा के खिलाफ शिवसेना शिंदे गुट के विधायक मुरजी पटेल ने ऋक्रक्र दर्ज करवाई है। मुरजी पटेल ने कहा, ह्यहमने अपने नेता और महाराष्ट्र के डिप्टीसीएम एकनाथ शिंदे के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए कुणाल कामरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। हमने उनके खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे दो दिनों के भीतर एकनाथ शिंदे से माफी मांगें अन्यथा शिवसैनिक उन्हें मुंबई में स्वतंत्र रूप से घूमने नहीं देंगे। अगर वे कहीं भी सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए तो हम उनके चेहरे पर कालिख पोत देंगे।

शिंदे की शिवसेना के कार्यकर्ता कुणाल कामरा से बेहद नाराज हैं और इस तोड़फोड़ की वजह यही नाराजगी है। जहां कॉमेडी का वीडियो शूट किया गया वहां शिवसैनिकों ने तोड़फोड़ की। गुस्साए कार्यकताओं के सामने जो भी आया उसे तोड़ डाला। वीडियो को शहर के वही द कांटिनेंटल नामक स्टूडियो में शूट किया गया था। पुलिस ने स्टूडियो के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। हालांकि, कॉमेडी सेट में तोड़फोड़ करने के आरोप में शिवसेना युवा सेना (शिंदे गुट) के महासचिव राहुल कनाल और 19 अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बीएनएस और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत शिवसेना युवा सेना (शिंदे गुट) के महासचिव राहुल कनाल और बाकी 19 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है।

बिहार के छपरा में सेप्टिक टैंक में मिला युवक का शव

पटना: बिहार में सारण जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक मकान के सेप्टिक टैंक से पुलिस ने रविवार को एक युवक का शव बरामद किया है। वहीं, शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि रामनगर रेलवे क्रासिंग के समीप तपेश्वर सिंह कॉलेज के बगल में एक मकान के सेप्टिक टैंक में अज्ञात व्यक्ति का शव स्थानीय लोगों ने देखा और इसकी सूचना थाना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान वहां मौजूद लोगों से कराने की कोशिश की, लेकिन पहचान नहीं होने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया।

मृतक की नहीं हुई पहचान : बताया जा रहा है कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से मृतक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। शव को अगले 72 घंटा तक सुरक्षित रखा जा रहा है।

मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में पांच उग्रवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली: मणिपुर में अलग-अलग अभियानों के दौरान पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया जिनके पास से हथियार एवं गोला-बारूद बरामद हुआ है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक (पीआरईपीएके) (पीआरओ) के तीन सदस्यों को रविवार को बिष्णुपुर जिले के कुम्बी तेराखोंग से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए उग्रवादियों की पहचान ओइनम अबुंग मेइती (31), युमलेम्बम रोमेश सिंह (47) और आर के नेवी मेइती (32) के रूप में हुई है। उनके पास से बरामद की गई सामग्री में .303 एलएमजी, दो .303 एलएमजी मैगजीन और गोला-बारूद शामिल हैं।

संगठन के एक अन्य सदस्य को इंफाल पूर्वी जिले के मंत्रिपुखरी बाजार से गिरफ्तार किया गया और उसकी पहचान मोहम्मद ताज खान उर्फ ??रोमेन (37) के रूप में की गई है। उस पर स्थानीय दुकानों से जबरन वसूली करने का आरोप है।

पुलिस ने बताया कि यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के निंगोमवम लमखाई से गिरफ्तार किया गया और उसकी पहचान शगोलशेम प्रबीन सिंह (27) के रूप में हुई है। इसने कहा कि प्रबीन सिंह जबरन वसूली की घटनाओं में शामिल था।

जस्टिस यशवंत वर्मा को काम देने पर रोक, सुप्रीम कोर्ट ने जारी की जांच रिपोर्ट, मोबाइल रिकार्ड की भी होगी जांच

नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के बंगले के बाहर रविवार को सफाई के दौरान सफाई कर्मचारियों को 500-500 रुपए के अधजले नोट मिले। सफाईकर्मियों ने बताया कि चार-पांच दिन पहले भी हमें ऐसे नोट मिले थे। ये नोट सफाई के दौरान सडक पर पत्तों में पड़े हुए थे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च की देर रात दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली के घर से मिले कैश की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी। इसमें कैश का वीडियो भी है। साथ ही तीन तस्वीरें भी जारी की गई हैं। इसमें 500 रुपए के जले हुए नोटों के बंडल दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 14 मार्च को जस्टिस के घर आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंची थीं। आग पर काबू पाने के बाद चार-पांच अधजली बोरियां मिलीं, उनके अंदर नोट भरे हुए थे। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा का पक्ष भी है, जिसमें उन्होंने कहा है कि जिस स्टोर रूम में नोटों की गड्डियां मिलने की बात की जा रही है, वहां उन्होंने या उनके परिवार ने कभी कोई पैसा नहीं रखा। उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है। दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने इंटरनल इन्क्वायरी के बाद सुप्रीम कोर्ट को 21 मार्च को रिपोर्ट सौंपी थी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को ज्यूडिशियल काम देने से मना कर दिया है। अब उनके छह महीने की कॉल डिटेल्स की जांच की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर: 30 मिनट तक गोलियों की गड़गड़ाहट की आवाज...

कठुआ में सेना का एनकाउंटर दूसरे दिन भी जारी सुरक्षाबलों ने इलाके में 4-5 आतंकियों को घेरा

नई दिल्ली: जम्मू-कश्मीर के कठुआ में एक बार फिर से आतंकवादियों के मंसूबों को कामयाब करने के लिए भारतीय सेना ने अपना जबरदस्त अभियान चलाया हैं। रविवार शाम को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के सान्याल गांव में सुरक्षा बलों ने एक घनी नर्सरी में छिपे आतंकवादियों के एक समूह का सामना किया। इस मुकाबले में दोनों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने पुष्टि की कि माना जा रहा है कि आतंकवादी अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से घुसपैठ कर आए थे, और उन्होंने सुरक्षा बलों के साथ आधे घंटे से अधिक समय तक भीषण गोलीबारी की।

आतंकवादियों के बारे में मिली थी सेना को पहले से खुफिया जानकारी: अभियान पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग पांच किलोमीटर दूर नर्सरी क्षेत्र में स्थित एक स्थानीय घेरे में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू हुआ, जिसे 'ढोक' के नाम से जाना जाता है। विशेष अभियान समूह (एसओजी) की एक टीम ने तलाशी शुरू की, लेकिन क्षेत्र में प्रवेश करते ही वे भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। तुरंत ही अतिरिक्त बल तैनात किए गए और घुसपैठियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया।

आतंकवादियों और सेना के बीच मुठभेड़ में गोलीबारी 30 मिनट तक चली: हालांकि गोलीबारी लगभग 30 मिनट तक चली, लेकिन अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, अतिरिक्त बल क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी मजबूत कर रहे हैं। खुफिया जानकारी के अनुसार, शनिवार को 5-6 सदस्यों वाले दो आतंकवादियों के समूह ने इस क्षेत्र में घुसपैठ की। लकड़ी इकट्ठा करने वाली ग्रामीण महिलाओं ने क्षेत्र में आतंकवादियों को देखने की सूचना दी थी। इसी से संबंधित एक घटना में, सात वर्षीय एक लड़की घायल हो गई और उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, हालांकि उसकी चोट का सही कारण स्पष्ट नहीं है।

आतंकवादियों ने कठुआ में घुसकर निवासियों को बनाया निशाना: निवासी अनीता देवी ने मुठभेड़ का एक भयावह विवरण साझा किया, जिसमें बताया कि कैसे भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने उसके पति को बंदूक की नोक पर बंधक बना लिया, जबकि वह चिल्लाकर भागने में सफल रही, जिससे आस-पास के ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित हुआ।

मुठभेड़ वाले क्षेत्र में हाई अलर्ट: सुरक्षा अधिकारियों ने बताया है कि क्षेत्र में हाई अलर्ट है, ऑपरेशन के दौरान 250 से अधिक राउंड की भीषण गोलीबारी की आवाज सुनी गई। क्षेत्र की घेराबंदी की गई है, क्योंकि सुरक्षा बल आतंकवादियों को बेअसर करने के अपने प्रयास जारी रखे हुए हैं।

कठुआ जिला बना आतंकवादियों के लिए घुसपैठ का एक प्रमुख मार्ग: कठुआ जिला पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों के लिए घुसपैठ का एक प्रमुख मार्ग बन गया है, हाल के वर्षों में इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। सुरक्षा बलों ने आगे के हमलों को रोकने और क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए अभियान तेज कर दिए हैं, खासकर पिछले एक साल में पड़ोसी जिलों में हिंसक घटनाओं की एक श्रृंखला के बाद।

आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी: कठुआ को सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, तथा घुसपैठ के लगातार प्रयासों और आतंकवाद से संबंधित घटनाओं के कारण आतंकवाद पर अंकुश लगाने के प्रयास तेज हो गए हैं।

कमाई के मामले में नंबर 1 है गुजरात के भरथना का टोल प्लाजा, हर साल कमाता है 400 करोड़

नई दिल्ली: क्या आप जानते हैं कि भारत का सबसे ज्यादा कमाई करने वाला टोल प्लाजा कौन सा है? यह टोल प्लाजा गुजरात के भरथना गांव में स्थित है, जो राष्ट्रीय राजमार्ग 48 (एनएच-48) पर बना है। यह हाईवे देश की राजधानी दिल्ली को आर्थिक राजधानी मुंबई से जोड़ता है और देश का सबसे व्यस्त राजमार्ग भी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, यह टोल प्लाजा हर साल करीब 400 करोड़ रुपए की कमाई करता है।

देश के दूसरे सबसे बड़े कमाई वाले टोल प्लाजा: भरथना के बाद राजस्थान के शाहजहांपुर में स्थित एनएच -48 का ही एक और टोल प्लाजा है, जो सालाना 378 करोड़ रुपए की कमाई करता है। भारत में कुल 1,063 टोल प्लाजा हैं, जिनमें से 14 टोल प्लाजा ऐसे हैं जो सालाना 200 करोड़ रुपए से अधिक कमाते हैं।

फास्टटैग से बढ़ी पारदर्शिता और टोल कलेक्शन: फास्टटैग के आने से टोल की चोरी में कमी आई है और कलेक्शन में पारदर्शिता बढ़ी है। सरकार के अनुसार, 2019-20 में टोल से 27,504 करोड़ रुपए की कमाई हुई थी, जो पिछले साल बढ़कर 55,882 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। पिछले पांच वर्षों में लोगों ने टोल के रूप में 1.9 लाख करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया है लेकिन यह राशि राजमार्गों के विकास और रखरखाव के लिए आवश्यक बजट का केवल 20% है।

किस राज्य में हैं सबसे ज्यादा टोल प्लाजा?: सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में सबसे ज्यादा 156 टोल प्लाजा हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में 97 टोल प्लाजा हैं, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में 22,914 करोड़ रुपए की कमाई की है। राजस्थान के टोल प्लाजा ने इसी अवधि में 20,308 करोड़ रुपए की कमाई दर्ज की है।

टोल प्लाजा पर ज्यादा कमाई कहां होती है? : अधिकारियों के अनुसार, टोल प्लाजा की सबसे ज्यादा कमाई उन मार्गों पर होती है, जो बंदरगाहों और औद्योगिक क्षेत्रों से जुड़े होते हैं क्योंकि इन सड़कों पर भारी संख्या में कमर्शियल वाहन चलते हैं, जो निजी वाहनों की तुलना में अधिक टोल देते हैं। यही कारण है कि टोल कलेक्शन के मामले में एनएच-48 सबसे आगे है।

सीमा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम मौत के घाट उतारे 16 आतंकवादी

क्वेटा: उत्तरी वजीरिस्तान जिले के गुलाम खान कल्ले इलाके में अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश कर रहे 16 आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार सुरक्षा बलों ने उत्तरी वजीरिस्तान के गुलाम खान कल्ले इलाके में अफगान सीमा पार करने की कोशिश कर रहे आतंकवादियों के एक समूह का पता लगाया।

आईएसपीआर ने बयान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सदस्यों को नामित करते हुए कहा कि हमारे सैनिकों ने प्रभावी ढंग से घुसपैठ की उनकी कोशिश को नाकाम कर दिया। एक भीषण गोलीबारी के बाद सभी सोलह ख्वारिज को जहन्नुम भेज दिया गया। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इसने उल्लेख किया कि पाकिस्तान लगातार अफगान की अंतरिम सरकार से सीमा के अपने हिस्से पर प्रभावी सीमा प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए कह रहा है। इसमें कहा गया है कि अंतरिम अफगान सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने दायित्वों को पूरा करेगी तथा ख्वारिज को पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए अफगान धरती का उपयोग करने से रोकेगी।

दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र आज से, वित्तीय-नीतिगत मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली: दिल्ली विधानसभा का आठवां बजट सत्र सोमवार पूर्वाह्न 11:00 बजे पुराना सचिवालय स्थित विधानसभा भवन में प्रारंभ होगा। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि यह सत्र वित्तीय नीतियों और आगामी वित्तीय वर्ष के विकास रोडमैप को निर्धारित करने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि यह सत्र 24 से 28 मार्च 2025 तक चलेगा और आवश्यकता पड़ने पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है। बजट सत्र में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के कामकाज पर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (कैग) रिपोर्ट सदन में पेश की जाएगी। यह तीसरी कैग रिपोर्ट होगी, जो सोमवार को सदन में प्रस्तुत की जाएगी। बजट सत्र में 25 मार्च (मंगलवार) को वित्त वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया जाएगा।

26 मार्च (बुधवार) को बजट पर चर्चा होगी, 27 मार्च (गुरुवार) को विधानसभा में बजट को मंजूरी दी जाएगी, 28 मार्च (शुक्रवार) को निजी विधेयकों और संकल्पों पर चर्चा होगी। सदन में प्रश्नकाल और विधानसभा की प्रत्येक दिन कार्यवाही पूर्वाह्न 11:00 बजे शुरू होगी, अपराह्न एक बजे से दो बजे तक भोजन अवकाश रहेगा। इसके अलावा प्रश्नकाल 24, 26, 27 और 28 मार्च को आयोजित किया जाएगा, जिसमें मंत्रीगण सदस्यों के प्रश्नों के उत्तर देंगे।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का बड़ा ऐलान, वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ छेड़ेंगे देशव्यापी आंदोलन

नई दिल्ली: ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने रविवार को प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। एआईएमपीएलबी के कार्यालय सचिव मोहम्मद वकार उद्दीन लतीफी की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि 17 मार्च को दिल्ली में बड़े पैमाने पर और सफल विरोध प्रदर्शन के बाद, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। एआईएमपीएलबी के प्रवक्ता और वक्फ विधेयक के खिलाफ कार्रवाई समिति के संयोजक एसक्यूआर इलियास ने बोर्ड की ओर से सभी मुस्लिम संगठनों, नागरिक समाज समूहों और दलित, आदिवासी, ओबीसी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अल्लाह की कृपा और इन समूहों के एकजुट समर्थन के बिना, दिल्ली के प्रदर्शन की सफलता संभव नहीं होती।

उन्होंने विपक्षी दलों और सांसदों को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने न केवल बड़ी संख्या में भाग लिया, बल्कि प्रस्तावित कानून को दृढ़ता से खारिज भी किया। एआईएमपीएलबी के बयान में कहा गया है कि एआईएमपीएलबी की 31 सदस्यीय कार्रवाई समिति ने विवादास्पद, भेदभावपूर्ण और नुकसानदायक विधेयक का विरोध करने के लिए सभी संवैधानिक, कानूनी और लोकतांत्रिक तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया है। आंदोलन के पहले चरण के तहत 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को विजयवाड़ा में राज्य विधानसभाओं के सामने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई गई है।

आंदोलन में शामिल होंगे ये संगठन : एआईएमपीएलबी के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि इन प्रदर्शनों में भाग लेंगे। नागरिक समाज के नेता, अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की प्रमुख हस्तियां और दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के प्रमुख लोगों ने भी अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। बयान में कहा गया है कि विभिन्न राजनीतिक दलों की तरफ से सांसदों को चालू संसद सत्र में भाग लेने के लिए व्हिप जारी करने के बावजूद, संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के विपक्षी सदस्यों को भी धरना-प्रदर्शन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। बयान के अनुसार कि पटना में, बिहार के मुख्यमंत्री समेत जेडी(यू), आरजेडी, कांग्रेस और लोक जनशक्ति पार्टी के नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इसी तरह, आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), वाईएसआर कांग्रेस, कांग्रेस और वामपंथी दलों को निमंत्रण भेजा गया है।

न्यूज ब्रीफ

प्रख्यात ज्योतिषाचार्य प्रदीप दीक्षित के पुत्र ऑल इंडिया बार एक्जामिनेशन में अव्वल

बिनय मिश्रा : चक्रधरपुर के प्रसिद्ध हस्तरेखा विशेषज्ञ एवं विद्वान प्रदीप दीक्षित के सुपुत्र अभिषेक दीक्षित ने ऑल इंडिया बार एक्जामिनेशन में अव्वल आकर अपने दादाजी स्व द्वारिका प्रसाद दीक्षित, माता श्रीमती सरला दीक्षित, पिता प्रदीप दीक्षित के साथ साथ शहर और जिला का नाम गौरवान्वित किया है। अधिवक्ता अभिषेक दीक्षित प्रारंभ काल से ही मेधावी छात्र के रूप में अपनी पहचान बनाई तथा बेहतर पढ़ाई की पढ़ाई में अव्वल रहने वाले अभिषेक दीक्षित ने ऑल इंडिया बार एक्जामिनेशन में सफल होकर पुनः अपने मेधावी पन का परिचय दिया है। अभिषेक के इस उपलब्धि पर माता पिता हर्षित हैं और उन्होंने कहा कि- अभिषेक अपने दृढ़ इच्छाशक्ति और लगन से इस लक्ष्य को पाने में सफल रहा है।

टेलीकॉम की सर्वश्रेष्ठ महिला अधिकारियों को सम्मानित किया गया

जमशेदपुर : टेलीकॉम विमेन वेलफेयर अर्गनाइजेश (टीडब्लूडब्लूओ) जमशेदपुर की सभा में झारखंड सर्किल द्वारा नामित जमशेदपुर बीए की सर्वश्रेष्ठ महिला अधिकारी राखी बिरूली और सर्वश्रेष्ठ महिला कर्मचारी ऊषा देवी को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कला मंजूषा में पूरे भारत मे जमशेदपुर को स्थान दिलाने के लिए कीर्ति मैडम को तथा एफटीटीएच प्रोविसिनिंग में सबसे ज्यादा कनेक्शन्स बुक करने के लिए ज्योति श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में मौजूद सभी सदस्यों ने केक काटकर एक दूसरे को बधाइयां दीं।इस मौके पर प्रेसिडेंट किरण राय ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार प्रकट किए और आगामी वेलफेयर कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कीं। कार्यक्रम में सेक्रेटरी सुनीता सिंह, कोषाध्यक्ष स्मिता कुजूर, ज्योतस्ना द्विवेदी, शिल्पी शिखा तथा अन्य सदस्यों ने हिस्सा लिया।

सरयू राय ने वितरित किए 200 पेंशन प्रमाण पत्र

जमशेदपुर : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने रविवार को पेंशन योजना के नए लाभुकों के बीच पेंशन प्रमाण पत्र वितरित किया। लगभग 200 लाभुकों के बीच पेंशन प्रमाण पत्रों का वितरण हुआ। ये पेंशन प्रमाण पत्र विधवा पेंशन, 50 से 60 वर्ष की आयु वाली महिला पेंशन योजना और 60 से ऊपर पुरुष एवं महिला पेंशन योजना के थे। मौके पर विधायक सरयू राय ने कहा कि हमें खुशी है कि आज प्रमाण पत्र देने का मौका मिला। मंच संचालन जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा के विधायक जनसुविधा प्रतिनिधि मुकुल मिश्रा ने किया

विहिप श्री राम जन्म महोत्सव 30 मार्च से 12 अप्रैल तक मनाएगी

गोविंदपुर : विश्व हिंदू परिषद जिला ग्रामीण की बैठक जिलाध्यक्ष विपिन मंडल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों का निर्णय लिया गया। उसके अनुसार श्री राम जन्म महोत्सव 30 मार्च से 12 अप्रैल तक मनाया जाएगा। इस निमित्त धनबाद जिला ग्रामीण में 150 स्थानों पर यह कार्यक्रम किया जाएगा। आगामी 12 अप्रैल को श्री हनुमान जन्मोत्सव में शोभा यात्रा तथा मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। प्रांत प्रशिक्षण वर्ग के लिए प्रशिक्षण में भाग लेने वाले पर कार्यकताओं का चयन किया गया। 26-27 मार्च तक सभी प्रखंडों की बैठक की जाएगी। बैठक में विहिप के विभाग संगठन मंत्री दीपक मंडल, जिला उपाध्यक्ष सिद्धार्थ विक्रम सनक, जिला संगठन मंत्री गणेश राय, सामाजिक समरसता जिला प्रमुख सतीश चंद्र महतो, बजरंग दल जिला संयोजक विकास सिंह, जिला टोली से काशीनाथ विश्वकर्मा, तारकेश्वर महतो, प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ता हारू मोदक, विष्णु बजरंगी, हरिहर महतो, नकुल सिंह, मनभुल राय, रमेश मंडल, तपन मंडल, दशरथ सिंह, जितेन मंडल आदि उपस्थित थे।

हत्याकांड के फरार आरोपी राम बाबू सहित छह के घरों पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

झरिया : झरिया पुलिस ने कतरास मोड़ निवासी धनंजय यादव हत्याकांड कांड के फरार छह आरोपियों के सिंह नगर गुलगुलिया पट्टी स्थित घर पर रविवार को इश्तेहार चिपकाया। दो साल से सभी आरोपी फरार है। पुलिस ने आरोपी राम बाबू धिक्कार, सुमित धिक्कार, राधा धिक्कार, पतरकी धिक्कार, रवि धिक्कार, महेश यादव के घर पर इश्तेहार चिपकाया है। सभी को 28 अप्रैल 2025 तक न्यायलय में आत्मसमर्पण करने को कहा गया है। नही करने पर न्यायलय के आदेश से कुर्की की कारवाई की जायेगी।बताते चलें कि झरिया थाना कांड 23/23. धारा-142/148/149), 323/324/307/354 1.6.वि एवं 25(1-6) आर्म्स एक्ट 3/4 विस्फोटक पदार्थ मामला दर्ज है। बताते चले कि 1 अगस्त 2023 को कतरास मोड़ सिंह नगर निवासी धनंजय यादव (31) को घर में घुसकर निर्मम हत्या की गई थी। धनंजय यादव की बहन मीना देवी के बयान पर राम बाबू धिक्कार सहित 7 नामजद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जिसमें छह अभी फरार है। सात आरोपियों में रामबाबू धिक्कार, राजा धिक्कार, महेश यादव, सद्दाम अंसारी, कैलाश धिक्कार, रंजीत धिक्कार, बाबा धिक्कार थे। आरोप है कि पत्नी व बच्ची के सामने उसके घर में घुसकर निर्मम हत्या की है।

दुमका में बच्चा चोर अफवाह पर पुलिस सख्त, भ्रामक खबर फैलाने पर होगी कार्रवाई : एसपी

दुमका : पिछले दो दिनों से जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चा चोर की अफवाह थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिला के कई इलाके से यह खबर आ रही है कि लोग लाठी-डंडे, तीर-धनुष के साथ रात में गांव में पहरा दे रहे हैं।

इतना ही नहीं कोई अनजाना नजर आ जाता है तो उसे गांव में घुसने से रोक देते हैं। ऐसे में इस बात का खतरा काफी बढ़ गया है कि बाहरी व्यक्ति किसी काम से उस गांव की ओर चला जाए तो कहीं बड़ी हिंसात्मक घटना का शिकार न हो जाए। मामले को गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अफवाहों का खंडन किया है। बच्चा चोर की अफवाह को रोकने के लिए दुमका पुलिस की ओर से एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने आम जनता से अपील की है। एसपी ने इस तरह की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। खास तौर पर पुलिस के द्वारा सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है। एसपी ने कहा कि ऐसे व्हाट्सएप ग्रुप जिनके द्वारा इस तरह की अफवाह फैलाई जाएगी, उस ग्रुप के एडमिन पर विधि-सम्मत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने लोगों से भड़काने वाले पोस्ट शेयर न करने की अपील की है। साथ ही अप्रमाणिक जानकारी, तस्वीर, वीडियो सोशल मीडिया पर न डालने का भी हिदायत दी है।

साहियाओं की भूमिका अहम, सरकार देगी हर संभव मदद: डॉ इरफान अंसारी

मेट्रो रेज संवाददाता

जामताड़ा : स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जामताड़ा मे आयोजित राज्य स्तरीय सहिया सह सीएचओ सम्मेलन सह सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित साहिया बहनों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में सहिया बहनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी, ताकि वे अपने कार्यों को और प्रभावी ढंग से कर सकें।

मंत्री ने कहा कि शत-प्रतिशत टीकाकरण और संस्थागत प्रसव का लक्ष्य हासिल करने में साहिया बहनों की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच और देखभाल से मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि साहिया बहनों के समर्पण और मेहनत से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता में तेजी आई है, जिससे लोगों को समय पर इलाज और सही जानकारी मिल रही है।

डॉ. अंसारी ने घोषणा की कि राज्य की सभी साहिया बहनों को जल्द ही आधुनिक टैबलेट (टैब) उपलब्ध कराए जाएंगे। इन टैबलेट्स के माध्यम से वे स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों को डिजिटल रूप में दर्ज कर सकेंगी, जिससे सेवा में पारदर्शिता और गति आएगी। यह पहल साहिया बहनों के कामकाज को और अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाएगी।

मंत्री ने कहा कि साहिया बहनों को उनके कठिन परिश्रम का उचित सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि साहिया बहनों के मानदेय पर जल्द विचार किया जाएगा, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो और वे अपने कार्यों को और अधिक आत्मीयता और उत्साह के साथ कर सकें।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए कई बड़े निर्णय लिए गए हैं। इन योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सुलभ और प्रभावी बनाया जाएगा। मंत्री ने कार्यक्रम के अंत में सभी साहिया बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में साहिया बहनों को और अधिक संसाधन, सम्मान और सहयोग मिलेगा, जिससे वे अपने कार्य को और प्रभावी ढंग से कर सकेंगी।

बुनियादी साक्षरता आकलन परीक्षा का सफल आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, झारखंड के तत्वावधान में जिला साक्षरता समिति, गुमला द्वारा आज दिनांक 23 मार्च 2025, रविवार को नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी 12 प्रखंडों एवं 100 संकुल क्षेत्रों में स्थित जन चेतना केंद्रों पर व्यस्क नवसाक्षरों के लिए बुनियादी साक्षरता आकलन एवं संख्यात्मक जाँच परीक्षा का सफल आयोजन किया गया।

जिला शिक्षा अधीक्षक सह सदस्य सचिव, नूर आलम खां ने जानकारी दी कि इस आकलन परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु प्रत्येक चिन्हित परीक्षा केंद्र पर प्रखंड स्तर से केंद्राधीक्षक एवं वीक्षक की प्रतिनियुक्ति की गई थी। नवसाक्षर परीक्षार्थियों का ऑन - द - स्पॉट पंजीकरण कर उन्हें परीक्षा में सम्मिलित कराया गया। पूरे देश में आयोजित इस परीक्षा के मद्देनजर जिले के सभी संकुल एवं प्रखंड संसाधन केंद्र रविवार को भी खुले रहे।

इस महत्वपूर्ण आयोजन में जिला शिक्षा अधीक्षक एवं सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों सहित जिले के सीआरपी (क्लस्टर रिसोर्स पर्सन), बीआरपी (ब्लॉक रिसोर्स पर्सन) ने सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया की निगरानी करते हुए नवसाक्षरों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग प्रदान किया।

यह उल्लेखनीय है कि जिले के सभी प्रखंडों में असाक्षरों को चिन्हित कर उन्हें बुनियादी साक्षरता प्रदान करने हेतु जन चेतना केंद्रों का संचालन स्वयंसेवकों के माध्यम से किया जा रहा है। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान (ठक्डर) द्वारा देशव्यापी स्तर पर इस आकलन परीक्षा का आयोजन उन सभी वयस्कों के लिए किया जाता है, जिनके पास साक्षरता का कोई प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है। आकलन परीक्षा में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से अधिक रही। इस अवसर पर जिले के शिक्षा कर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के प्रबुद्ध नागरिकों ने नवसाक्षरों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

निरसा में रास्ता विवाद को लेकर दो पक्षो के बीच मारपीट पुलिस ने काम को कराया बंद

निरसा : निरसा के कंचनडीह ऊपर टोला में रविवार को रास्ता विवाद को लेकर दो पक्षो में जमकर मारपीट हो गई। ग्रामीणों द्वारा मारपीट की घटना पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामला को शांत कराया। उसके बाद पुलिस ने सीओ के पास जाकर जमीन विवाद को सलटाने की बात कही। पुलिस ने कहा कि जब तक मामला सलट नहीं जाता तब तक निर्माण कार्य बंद रहेगा। एक पक्ष के मो. असलम हुसैन ने पुलिस से मारपीट व गाली गलौज करने की शिकायत की है। शिकायत में कहा है कि मैथन चार नंबर टेंपो स्टैंड के रहने वाले मो. अब्दूल रहमान, जुलेखा खातुन, सईद अख्तर, अरविंद कुमार सिंह कुछ युवकों के साथ आया और सार्वजनिक रास्ता को बंद करने लगा। जब मैंने विरोध किया तो उनलोगों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। जिससे मैं बेहोश हो गया। ग्रामीणों ने बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निरसा ले जाकर इलाज कराया। मैं शनिवार को निरसा सीओ को आवेदन दे चुका है। उसके बावजूद उनलोगों द्वारा जबरन रास्ता को बंद किया जा रहा था। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि तिलतोड़िया मौजा में पड़ने वाली 19 डिसमिल जमीन को शहीद अख्तर ने खरीदा है। उक्त जमीन के पास ही 15 डिसमिल जमीन गैराआबाद है। साथ ही उक्त जमीन के पीछे 35 लोगों ने जमीन खरीदा है। जिसका रास्ता शहीद अख्तर की जमीन की ओर से गुजरा है। परंतु शहीद अख्तर द्वारा उस रास्ते का घेराबंदी कर रहा था। जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया। विरोध करने पर उनलोगों द्वारा धक्का-मुक्की व मारपीट की।

विस में बागबेड़ा की समस्या का मुद्दा उठाने पर विधायक को किया सम्मानित

जमशेदपुर : बागबेड़ा में कचरा निस्तारण स्थल की मांग को विधानसभा में उठाने पर पोटका विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजीव सरदार को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बागबेड़ा कॉलोनी के पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। पिछले कई वर्षों से पंचायत प्रतिनिधि कचरा निस्तारण की मांग कर रहे थे। मुख्य सड़क और चौक-चौराहों पर कचरे का ढेर जमा होने से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ रहा था। विधानसभा में

इस गंभीर मुद्दे को उठाने पर विधायक संजीव सरदार को धन्यवाद दिया गया। विधायक का आश्वासन सम्मान समारोह में विधायक संजीव सरदार ने कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों का समाधान उनकी प्राथमिकता है और वे इस दिशा में निरंतर प्रयासरत रहेंगे। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, उप मुखिया संतोष ठाकुर, वार्ड सदस्य अभिषेक उपाध्याय, प्रतिनिधि राजकुमार सिंह और समाजसेवी भोला ठाकुर सहित कई लोग उपस्थित थे।

ई-जनशिकायत कार्यक्रम में नागरिकों ने साझा की अपनी समस्या

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी गुमला की अध्यक्षता में आज आयोजित हुए साप्ताहिक ई-जनशिकायत कार्यक्रम में बसिया और कामडारा प्रखंड के नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर अपनी समस्याओं को बताया। इस दौरान बसिया और कामडारा प्रखंड से लगभग 30 से अधिक आवेदकों ने अपनी समस्याओं का विवरण दिया। इन समस्याओं में पेंशन, राशन, ढट किसान और अन्य सरकारी योजनाओं से संबंधित मुद्दे शामिल थे। उपायुक्त ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों को आवश्यक समस्याओं का ऑन द स्पॉट

समाधान करने का निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य रूप से आवास निर्माण, सड़क निर्माण, नाली निर्माण, केसीसी आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मती,ढट किसान, जलमीनार मरम्मती, चैकडेम निर्माण, आदि के सम्बन्ध में कई नागरिकों ने श्उ के माध्यम से समस्याओं को रखा। इसके अलावा भी कई समस्याओं का समाधान प्रखंड स्तरों पर संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से ऑन द स्पॉट किया गया।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सभी समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निष्पादन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्थानीय रूप से जिन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है उसका त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया।

चंपाई सोरेन ने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ आंदोलन का फूंका बिगुल

जामताड़ाः पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन रविवार को संथाल आदिवासी समाज द्वारा आयोजित ओलचिकी भाषा अधिवेशन और मांझी परगना सम्मेलन के समापन समारोह में भाग लेने जामताड़ा पहुंचे। इस दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया। मौके पर चंपाई सोरेन ने कहा कि संथाल परगना में आदिवासी बहू-बेटी सुरक्षित नहीं हैं। इस दौरान चंपाई सोरेन ने आदिवासी समाज के लोगों को उनकी भाषा, संस्कृति और जमीन बचाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ सामाजिक आंदोलन का बिगुल फूंका। पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने इस दौरान मीडिया से बातचीत के क्रम में कहा कि संथाल परगना में आदिवासी बहू-बेटी और उनकी जमीन सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि ओलचिकी भाषा अधिवेशन और मांझी परगना सम्मेलन के माध्यम से समाज के लोगों को जागरूक करने का काम कर रहे हैं। समाज जागरूक होगा तो संथाल में आदिवासी समाज बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ सड़क पर उतरेंगे। चंपाई सोरेन ने कहा संथाल आदिवासी समाज की संस्कृति उनकी भाषा उनकी जमीन को बचानी है।

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने आदिवासी समाज द्वारा आयोजित ओलचिकी भाषा अधिवेशन और मांझी परगना सम्मेलन के समापन समारोह में आदिवासी समाज को संस्कृति, जमीन अपनी भाषा की रक्षा के लिए एकजुट होकर बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ आवाज बुलंद करने का आह्वान किया। वहीं कार्यक्रम के पूर्व आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक शस्त्रों के साथ शहर में बाइक रैली भी निकाली।

इधर, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठ के खिलाफ सामाजिक आंदोलन की जामताड़ा से शुरूआत करने और चंपाई सोरेन के बयान पर स्वास्थ्य मंत्री सह जामताड़ा विधायक इरफान अंसारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चंपाई सोरेन उनके अभिभावक और सीनियर नेता हैं। उनके जामताड़ा आने-जाने में कोई रोक नहीं है, लेकिन वह विधानसभा में ध्यान दें। विधानसभा में जनता की समस्या को उठाने का काम करें। पहले वह जनता की समस्या को उठाते थे, लेकिन अब नहीं उठाते हैं।मंत्री इरफान अंसारी ने जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र से चंपाई सोरेन के द्वारा सामाजिक आंदोलन की शुरूआत करने पर एतराज जताया। उन्होंने कहा कि जामताड़ा विधानसभा में एक भी बांग्लादेशी घुसपैठिया नहीं है और न ही कहीं झारखंड में है। उन्होंने भाजपा नेताओं को चैलेंज करते हुए कहा कि उनकी ओर से साधन और संसाधन दोनों मुहैया कराया जाएगा सिर्फ भाजपा के नेता एक भी बांग्लादेशी को चिह्नित करें। मंत्री इरफान अंसारी ने कहा यदि बांग्लादेशी निकला तो वो जो कहेंगे करने को तैयार हैं। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भाजपा नेताओं को नसीहत और चेतावनी भरे लहजे में कहा कि वह सुधर जाएं और अपने शब्दों को वापस लें। बांग्लादेशी बोलकर यहां के लोगों, यहां की महिलाओं और यहां की बेटियों को अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के कृत्य के कारण झारखंड मजाक का पात्र बन रहा है। इरफान अंसारी ने कहा कि भाजपा नेता बांग्लादेशी शब्द को वापस लें और विकास की बात उसकी जगह पर लाएं।